आश्विन शुक्ल पक्ष-14, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 113 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

16 अक्टूबर 2024 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

29 अधिकतम

23 न्यूनतम

Page- 7

कांग्रेस ने सरकार में शामिल होने से किया इंकार, राज्य का दर्जा दिलाने संघर्ष का ऐलान

उमर की शपथ कश्मीर को मिला सीएम हरियाणा के फिर नायब होंगे सैनी

श्रीनगर/नई दिल्ली, पंचकुला, एजेंसी।

जम्मू कश्मीर में दस साल बाद हुए चुनाव के बाद अब राज्य सरकार अस्तित्व में आ गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री पद की दूसरी बार शपथ ली। इसके साथ ही वे इस केंद्र शासित राज्य के पहले सीएम बन गए। कार्यक्रम श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में हुआ। इसमें पांच मंत्रियों ने भी शपथ ली। इसमें दो मंत्री जम्मू से लिये गये हैं। जम्मू क्षेत्र से जीते सुरेंद्र चौधरी को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। उन्होंने नौशेरा से भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र रैना को हराया है। जावेद डार, सकीन इत्तु व जावेद राणा को मंत्री बनाया गया है, जबकि एक मंत्री पद निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को दिया गया है। इस मौके पर राहुल गांधी,मल्लिकार्जुन खरगे,प्रियंका गांधी,अखिलेश यादव, संजय सिंह समेत इंडिया गठबंधन के तमाम नेता मौजूद थे। हालांकि मुख्य सहयोगी कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई है। उसने नेकां सरकार को बाहर से समर्थन देने का एलान कर दिया। पार्टी के इसके लिये स्टेटहुड के अपने स्टेंड का हवाला दिया है और कहा है कि पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के वादे के तहत उसका संघर्ष जारी रहेगा।

दरअसल, आज शपथ के पहले माना जा रहा था कि जम्मू-कश्मीर कांग्रेस चीफ तारिक हमीद कर्रा भी कैबिनेट में शामिल होंगे लेकिन कांग्रेस ने साफ किया कि आज उनकी पार्टी का कोई भी विधायक मंत्री पद की शपथ नहीं लेगा और पार्टी बाहर से समर्थन करने पर भी विचार कर रही है। जम्मू-कश्मीर रीऑर्गनाइजेशन एक्ट, 2019 के तहत सीएम समेत मंत्रियों की कुल संख्या विधानसभा सीटों के 10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं हो सकती। शपथ के बाद पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने कहा कि आज का दिन महत्वपूर्ण है और यह कश्मीर की समस्या हल करने का बड़ा अवसर है। उन्होंने इंडिया ब्लाक को समर्थन देते रहने का ऐलान किया।शपथ लेने के बाद उमर अब्दुल्ला दोपहर तीन बजे एडमिनिस्ट्रेटिव सेक्रेटरी के साथ मीटिंग करेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया ब्लॉक के कई बड़े नेता शामिल हुए। सरकार की और से इंडिया ब्लाक के सभी नेताओं को न्यौता दिया गया था। वहीं, समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव कल ही श्रीनगर पहुंच गए थे। नेकां के पास अकेले ही 48 विधायकों का समर्थन है। चुनाव में जीते 7 निर्दलीय विधायकों में से 4 ने उसे समर्थन का ऐलान किया था। इसके बाद उमर ने कहा था- अब हमारी संख्या बढ़कर 46 हो गई है।

उमर अब्दुल्ला को राज्यपाल मनोज सिन्हा ने सीएम की शपथ दिलाई। इनसेट में सरकार पांच मंत्री व शपथ समारोह के लिए पहुंचे इंडिया गठबंधन के नेता।

मप्र से जुड़ा हरियाणा का पर्ची-प्रयोग

मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव आज हरियाणा में हैं, जहां भाजपा विधायक दल के नेता का चुनाव हो रहा है। इस प्रक्रिया के लिये उन्हें गृहमंत्री अमित शाह के साथ केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया गया है। हालांकि बैठक में नायब सिंह सैनी के ही चुने जाने की ही संभावना थी और ऐसा ही हुआ वे कल शपथ लेंगे। इस बीच मप्र व हरियाणा में भाजपा की राजनीति में अदभुत संयोग बना है। करीब दस महीने पहले हरियाणा के तत्कालीन सीएम मनोहर लाल खट्टर ने भोपाल में मप्र भाजपा विधायक दल की बैठक में हिस्सा लिया था और मोहन यादव के नाम की पर्ची खोली थी। जिससे वे सीएम बने थे। अब यही भूमिका में मोहन यादव हरियाणा पहुंचे।

गजब...हरियाणा में सीएम के चुनाव के पहले चेहरा घोषित!

हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार तो बन रही है लेकिन मुख्यमंत्री का नाम तय होने से पहले ही आज वहां के अखबारों में हरियाणा सरकार का विज्ञापन चर्चा में आ गया है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नायब सैनी की तस्वीर है और मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण को लेकर आमंत्रित किया गया है। इसमें समय- तारीख और जगह भी बताई गई है। गौरतलब है कि अब तक मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पूर्व कैबिनेट मंत्री और सात बार के विधायक अनिल विज और राव इंद्रजीत सिंह का नाम चल रहा था। दोपहर को विधायक दल की बैठक में शाह ने नायव सैनी को दल का नेता व सीएम का चेहरा घोषित कर दिया है।

10 बार असफल हुआ था बाबा सिद्दीकी की हत्या का प्रयास

मुंबई, एजेंसी।

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्याकांड को लेकर एक और खुलासा हुआ है। शूटरों ने पिछले महीने बांद्रा और उसके आसपास के इलाकों में उनकी हत्या के 10 से अधिक असफल प्रयास किए थे। बाबा सिद्दीकी की हत्या उनके विधायक बेटे जीशान के कार्यालय के बाहर की गई। पुलिस के मुताबिक ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि यह एक खुला क्षेत्र है। उससे पहले घने इलाके के कारण शूटर्स बाबा सिद्दीकी की हत्या करने से चूक गए थे। इसी तरह कई बार सिद्दीकी नहीं आए और जब वे आए, तो शूटर्स को योजना छोड़नी पड़ी, क्योंकि वे अपने समर्थकों से घिरे थे। पुलिस ने वह मोटरसाइकिल जब्त कर ली है, जिसे कथित शूटरों को रेकी के लिए दिया गया था।

पेशाब मिलाकर आटा गूंथती थी मेड, पूरा परिवार बीमार

गाजियाबाद, एजेंसी।

उप्र के गाजियाबाद में एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक घरेलू सहायिका (मेड) जिस घर में 8 साल से काम कर रही थी, वह मालिक की फैमिली के लिए जो खाना बनाती थी, उसमें पेशाब मिला देती थी। धीरे-धीरे पूरी फैमिली बीमार हो गई। इस घिनौने कृत्य का खुलासा तब हुआ, जब मालिक ने अपनी रसोई में सीसीटीवी कैमरे लगवाए, जिसमें यह करतूत कैद हो गई। मामला रिपब्लिक क्षेत्र की एक सोसाइटी में रहने वाले एक रियल एस्टेट कारोबारी और उनका परिवार का है जो बीते कुछ महीनों से गंभीर रूप से बीमार हो गया था। परिवार के लोग पेट और लीवर की बीमारियों से जूझ रहे थे। शुरू में परिवार ने इसे सामान्य

अमेरिका का फायदा दुश्मनों से ज्यादा दोस्तों ने उठाया

वॉशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर अपने संबंधों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि भारत एक मजबूत देश है। ट्रंप ने अमेरिका के सहयोगी देशों को लेकर कहा कि अमेरिका के दुश्मनों से ज्यादा उसके सहयोगियों ने इसका फायदा उठाया है। सहयोगी से उनका मतलब यूरोपीय संघ से है। अगले महीने यह राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इस चुनाव को लेकर रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस के बीच कांटे की टक्कर है।

जापान ने बर्ड फ्लू की चेतावनी दी

टोक्यो। जापान के पर्यावरण मंत्रालय ने उत्तरी जापान में होक्काइडो प्रान्त के दो शहरों में जंगली पक्षियों में एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) का पता लगाने के बाद राष्ट्रव्यापी बर्ड फ्लू अलर्ट को उच्चतम स्तर तक बढ़ा दिया है। मंत्रालय ने होक्काइडो में दो अलग-अलग मामलों में वायरस का पता चलने के बाद यह निर्णय लिया। गौरतलब है कि 30 सितंबर को ओटोबे टाउन में एक बाज़ के शव में वायरस पाया गया था और 08 अक्टूबर को बेत्सुकाई टाउन में जंगली बत्तखों के मल में वायरस का पता चला था।

इटली ने इजरायल पर कड़े प्रतिबंध लगाए

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने कहा है कि इटली ने इजरायल को हथियारों के निर्यात पर अपने सहयोगियों के बीच सबसे सख्त प्रतिबंध लगाए हैं। मेलोनी ने संसद में कहा, गाजा पट्टी में इजरायली अभियान की शुरुआत के बाद सरकार ने इजरायल को सैन्य सामग्री के निर्यात के लिए सभी नए लाइसेंस जारी करने की प्रक्रियाओं को तुरंत निलंबित कर दिया। इस प्रकार बीते वर्ष 7 अक्टूबर के बाद हस्ताक्षरित सभी अनुबंध निष्पादित नहीं किए गए।

दीवाली पूर्व केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में होगा 3फीसद इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी।

त्योहारी सीजन में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा देने की तैयारी में है। बताया जाता है कि केंद्र अब महंगाई भत्ते में इजाफा करके कर्मचारियों को दिवाली गिफ्ट देगी। इस बार डीए में 3 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है और अगर ऐसा होता है, तो फिर कर्मचारियों को मिलने वाला डीए बढ़कर 53 फीसदी हो जाएगा। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि 53त्न डीए जुलाई 2024 से लागू होगा। मतलब केंद्रीय कर्मचारियों को चार महीने का एरियर भी मिल जाएगा उनके सैलरी में बंपर इजाफा होगा। इस पर फैसला आज बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक में हो सकता है. आम तौर पर केंद्र सरकार जनवरी और जुलाई में कर्मचारियों के डीए में संशोधन करती है. इससे पहले बीते 24 मार्च को केंद्रीय कर्मचारियों को 4 फीसदी डीए बढोतरी का तोहफा दिया था

उदाहरण के लिये देखें तो यदि किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 55,200 रुपये है, तो फिलहाल महंगाई भत्ता 27,600 होता है, यदि यहं 53 फीसदी हो जाता है तो यह 29,256 रुपये हो जाएगा। ज्ञात हो कि कर्मचारियों को मिलने वाले डीए की गणना अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (ढ्ढष्टक्क) से संबंधित होती है, जो बीते 12 महीनों में रिटेल इन्फ्लेशन को ट्रैक करता है. दुनिया के महंगाई के दबाव और बढ़ती लागतों के साथ, यह निर्णय देश भर में घरेलू बजट के मैनेजमेंट के लिए महत्वपूर्ण है।

एससीओ बैठक में जयशंकर ने पहले मिलाया हाथ, फिर खोली पाक की पोल

नई दिल्ली, एजेंसी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर पाकिस्तान में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन की बैठक में हिस्सा ले रहे हैं। यह उनका पहला पाकिस्तान दौरा है। समिट को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान-चीन के सीपीईसी प्रोजेक्ट के कारण भारतीय संप्रभुता के उल्लंघन का मुद्दा उठाया। यह परियोजना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है, इसे क्षेत्र को भारत अपना अभिन्न हिस्सा मानता है। उन्होंने कहा कि सभी सदस्य देशों का सहयोग परस्पर सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए। सभी देश क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दें. इसके लिए वास्तविक साझेदारी का निर्माण होना चाहिए, न कि एकपक्षीय एजेंडे पर आगे बढ़ा जाना चाहिए।

वे कल पड़ोसी देश पहुंचे थे, जहां इस्लामाबाद एयरपोर्ट पर बच्चों और पाकिस्तानी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद पीएम शहबाज शरीफ ने एससीओ नेताओं के लिए डिनर रखा था। शहबाज और जयशंकर ने यहां हैंड शेक किया। पिछले साल गोवा में बैठक में जयशंकर ने पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो से हाथ मिलाने से परहेज किया था। आज जयशंकर ग्रुप लीडर्स के फोटो सेशन में शामिल हुए। बैठक में व्यापार और आर्थिक एजेंडा पर चर्चा की जा रही है।

मेट्रो एंकर

हाथ से लिखी चिट्ठी अब वायरल

टाटा ने पीएम को लिखा-हर भारतीय आपका कर्जदार..

मुंबई, एजेंसी।

हाल ही में दिवंगत चर्चित व सम्मानित उद्योगपति रतन टाटा ने करीब सत्ताईस साल पहले भारत में आर्थिक सुधारों के लेकर तत्कालीन पीएम पीवी नरसिम्हाराव को हाथ से लिखकर एक चिट्ठी भेजी थी और कहा था कि हर भारतीय आपका कर्जदार है। दरअसल, आरपीजी ग्रुप के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने टाटा की एक चिट्ठी अब साझा की। यह चिट्ठी रतन टाटा ने 1996 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव को लिखी थी। इस चिट्ठी में उन्होंने भारत में आर्थिक सुधारों की शुरुआत करने में नरसिम्हा राव की उपलब्धि के प्रति सम्मान व्यक्त किया। 1996 में भारत की अर्थव्यवस्था का चेहरा बदलने और इसे सुधार के रास्ते पर ले जाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव को भारतीय आर्थिक सुधारों का जनक भी कहा जाता है। भारत को वैश्विक समुदाय का हिस्सा बनाने के लिए पूर्व पीएम की सराहना करते हुए रतन टाटा ने तब लिखा- 'प्रत्येक भारतीय आपका कर्जदार है।' इस चिट्ठी में भारत की प्रगति के लिए टाटा की प्रतिबद्धता भी दिखती है। गोयनका ने इस चिट्ठी को साझा करते हुए कहा- 'एक खूबसूरत इंसान की सुंदर लिखावट।' रतन टाटा ने इस चिट्ठी में आगे लिखा, 'मुझे लगता है कि आपकी (नरसिम्हा राव) उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं, उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता है। इस चिट्ठी का उद्देश्य केवल आपको यह बताना है कि मेरे विचार और शुभकामनाएं हमेशा आपके साथ हैं। आपके पास एक व्यक्ति ऐसा हो सकता है जो आपके काम को न कभी भूला है और न कभी भूलेगा।' हालांकि, इस चिट्ठी को स्पष्ट रूप से व्यक्तिगत बताया गया है। इसे 27 अगस्त 1996 को टाटा समूह के मुख्य कार्यालय बॉम्बे हाउस के एक कागज पर लिखा गया था। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते नौ अक्तूबर को देश के मशहूर उद्योगपति रतन टाटा का निधन हो गया था। उम्र से जुड़ी बीमारी के बाद 86 वर्ष की उम्र में उन्होंने मुंबई में अंतिम सांस ली। वे दो दिन पहले ही स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल में भर्ती हुए थे। बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद डॉक्टरों की टीम तमाम कोशिशों के बाद भी उन्हें नहीं बचाने में कामयाब नहीं हो सकी। निधन से एक दिन पहले भी टाटा के आईसीयू में भर्ती होने के दावे किए गए थे, लेकिन खुद टाटा ने इसका खंडन कर दिया था। टाटा अपनी सादगी और सरल स्वभाव की वजह से जाने जाते थे। उदारीकरण के दौर के बाद टाटा समूह आज जिस ऊंचाइयों पर है, उसे यहां तक पहुंचाने में रतन टाटा बहुत बड़ा योगदान है। टाटा का जन्म 28 दिसंबर, 1937 को हुआ था। वे टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा के दत्तक पोते नवल टाटा के पुत्र थे।

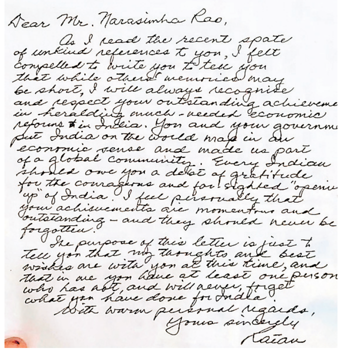

PERSONAL

BOMBAY HOUSE,
FORT, MUMBAI-400001.

August 27, 1996

Dear Mr. Narasimha Rao,

As I read the recent spate of unkind references to you, I felt compelled to write you to tell you that while others' memories may be short, I will always recognise and respect your outstanding achievement in heralding much-needed economic reforms in India. You and your government put India on the world map in an economic sense and made us part of a global community. Every Indian should owe you a debt of gratitude for the courageous and farsighted "opening up" of India. I feel personally that your achievements are momentous and outstanding - and they should never be forgotten.

The purpose of this letter is just to tell you that my thoughts and best wishes are with you at this time, and that in me you have at least one person who has not, and will never, forget what you have done for India.

With warm personal regards,

Yours sincerely,

Ratan

शहर के खटलापुरा घाट पर दुर्गा मूर्ति विसर्जन के बाद तालाब में इस तरह के हालात हैं।

दो माह में हुआ महज 5 फीसदी काम

सीआई तिराहा से अहिल्याबाई तिराहा तक के कार्य में हो रही देरी

फाइल फोटो

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बीते दो माह में सीआई तिराहा से अहिल्याबाई तिराहा तक करीब साढ़े छह किमी लंबी चार लेन सीसी रोड का महज पांच फीसदी काम हुआ है। जिस तरह की गति है, उससे इसके इस साल आखिर तक ही पूरा होने की स्थिति बन रही है। इस रोड से अरेरा कॉलोनी से लेकर शाहपुरा, कोलार से जुड़ी 40 से अधिक कॉलोनियों के लोग सीधे जुड़े हुए हैं। ये कोलार रोड की समानांतर रोड की तरह काम करती है। लेटलतीफी में उलझी चार लेन सीसी रोड प्रोजेक्ट के लिए इसी रूट की चार लेन डामर की रोड के साथ ही 1000 से अधिक नीम व अन्य प्रजातियों के पेड़ों को काटा गया। शाहपुरा की ओर रहवासियों ने पेड़ कटाई को लेकर प्रदर्शन किया व शिकायत की तो यहां के पेड़ों को फिलहाल बचाया हुआ है।

नहर को जाली से बंद कर बना रहे नाला

दरअसल, यहां जलसंसाधान विभाग ने इस रोड के किनारे नहर के हिस्से को लोहे की जाली में बंद कर नाला बनाने का काम शुरू किया है। इसके लिए जाली बांधी जा रही है। बताया जा रहा है कि खुली नहर में दुर्घटना की आशंका खत्म करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। हालांकि इसके किनारे पूरा स्लम विकसित है और नहर पर नाले की स्लैब बनने से इस स्लैब तक स्लम का हिस्सा बढ़ने की आशंका है।

पांच करोड़ में चौड़ा होना है ब्रिज

वहीं इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों का कहना है कि इस रोड के बीच में कलियासोत नदी पर 80 मीटर लंबा ब्रिज चार लेन होना है। अभी ये दो लेन है इसके लिए बजट में पांच करोड़ रुपए मंजूर है, लेकिन काम ही शुरू नहीं किया गया, लेकिन अब रोड का काम शुरू हो गया है। तेजी से हम हमारा काम पूरा कर रहे हैं। बीच में कुछ स्थिति बनी थी, जिसे सुलझा लिया है। ब्रिज का काम ब्रिज सेकशन देखेंगे।

पूज्य सिंधी पंचायत संतनगर के अध्यक्ष का पदभार संभाला

हिरदाराम नगर। सामाजिक संस्था पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबू रीझवानी के निधन के बाद झूलेलाल मंदिर में पंचायत की आयोजित साधारण सभा की बैठक में प्रस्ताव पास के अनुसार मंगलवार को पंचायत महासचिव माधू चांदवानी ने पंचायत में अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर चांदवानी का शाल, दुपट्टा व फूल मालाओं से स्वागत किया गया। चांदवानी ने आश्वस्त किया जिस प्रकार हमारे पूर्वजों ने पंचायत का गठन समाज में बढ़ती हुई कृतियों को समाप्त करने के लिए काम किया था। उस पर तो कार्य करेंगे। इसके अलावा समाज व शहर के विकास के लिए भी कार्य करेंगे। समाज के हर सुख-दुख के कार्यक्रम में शामिल होगे। अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण करने पर पूज्य सिंधी पंचायत के उपाध्यक्ष नंद दादलानी, जगदीश आसवानी, कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानी, सह सचिव जेठानंद मंगतानी, मघाराम, लक्ष्मण नाथानी, शेटटी चंदनानी, मनीष बागवानी आदि ने बधाई दी।

शरद पूर्णिमा पर आज कई आयोजन

आज नौकाविहार करेंगे गौरा व बटेश्वर, बंटेगी खीर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में आज शरद पूर्णिमा का पर्व उमंग के साथ मनाया जाएगा। हालांकि तिथि को लेकर कुछ भ्रम की स्थिति रही है, लेकिन अधिकतर पंडितों के अनुसार पूर्णिमा तिथि 16 अक्टूबर को पूर्ण रात्रि रहेगी, जबकि 17 अक्टूबर को पूर्णिमा तिथि शाम 5:10 पर समाप्त हो जाएगी। अतः निशिथ व्यापनी पर्व होने के कारण पूर्णिमा का चंद्रमा 16 अक्टूबर की रात्रि में रहेगा। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंदिरों में शाम को धार्मिक अनुष्ठान होंगे।

श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में खीर का वितरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मान्यताओं के मुताबिक लोग अपने घर की छत पर रात्रि में चंद्रमा की रोशनी में खीर रखते हैं। माना जाता है कि शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा की किरणों से अमृत की वर्षा होती है। आज माता गौरा और बाबा बटेश्वर शीतलदास की बगिया पर पहुंचकर बड़े तालाब में नौका विहार करेंगे। श्री बडवाले महादेव मंदिर समिति की ओर से बुधवार को नौका विहार चल समारोह निकाला जाएगा। मंदिर समिति के संजय अग्रवाल और प्रमोद नेमा ने बताया कि माता गौरा संग भगवान बटेश्वर को शीतलदास की बगिया में नौका विहार कराया जाएगा। यहां खीर का प्रसाद वितरण किया जाएगा। बांके बिहारी संग प्रियाजू का मनोरम श्रंगारः बांके बिहारी लाल मार्कण्डेय मंदिर तलैया चोबदारपुरा में शरद पूर्णिमा उत्सव मनाया जाएगा।

चल समारोह निकलेगा

हिंदू उत्सव समिति के तत्वावधान में बुधवार शाम को शरद पूर्णिमा चल समारोह निकाला जाएगा। समिति के अध्यक्ष संतोष साहू ने बताया कि शोभा यात्रा राधा कृष्ण मंदिर घोड़ा नक्कास से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए शीतलदास की बगिया पहुंचेगी। यहां फूलों से सुसज्जित नाव पर भगवान राधा कृष्ण को विराजमान कर नौका विहार कराया जाएगा।

बोर्ड परीक्षा: मॉडल पेपर से बच्चे सीखेंगे टाइम का मैनेजमेंट

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग नई शुरुआत कर रहा है। राजधानी के सरकारी स्कूलों के 35 हजार विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षा की तर्ज पर बोर्ड परीक्षा की तैयारी करेंगे। स्कूलों में बोर्ड परीक्षाओं से पहले मॉडल पेपर हल कराए जाएंगे। ऐसा इसलिए ताकि विद्यार्थी समय सीमा में पूरे प्रश्नों का समय पर जवाब देने की प्रैक्टिस कर सकें। बोर्ड परीक्षा 25 फरवरी से शुरू होगी। पहले दौर में राजधानी की 25 से ज्यादा शहरी व ग्रामीण स्कूलों से प्रयोग किया जाएगा। सफलता के बाद अगले सत्र से पूरे प्रदेश में मॉड्यूल प्रश्न पत्रों के पैटर्न फॉलो कराए जा सकते हैं। जिससे बच्चों प्रतियोगी परीक्षा की तर्ज पर बोर्ड परीक्षा की तैयारी करेंगे।

मार्शल आर्ट्स में नवनिध ने 27 पदक किए अपने नाम

भोपाल स्काय मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप 2024-25

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने भोपाल में आयोजित तृतीय भोपाल स्काय मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप 2024-25 में 27 पदक हासिल किए, जिनमें 14 स्वर्ण पदक, 8 रजत पदक और 5 कांस्य पदक शामिल हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय को रनर-अप ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

अंडर 11 वर्ग: गौरवी जैन (कांस्य), वर्षा कोटवानी (कांस्य), खुशबू ठाकुर (स्वर्ण), सिया दादलानी (कांस्य), रुद्राक्षी सिंह नरवारे (स्वर्ण), रिया वाधवानी (स्वर्ण), अनुष्का जैन (स्वर्ण), गीत सोनी (रजत) ने अपनी-अपनी श्रेणियों में पदक जीते।

अंडर 14 बालिका वर्ग: कनक दुबे (स्वर्ण), दीक्षा दुनानी (स्वर्ण), जिज्ञासा पवार (रजत), ज़ायना अली (कांस्य), निशिका मेहरा (कांस्य),

नीवी जैन (स्वर्ण), ओजस्वी गुप्ता (रजत), सोनाक्षी शेवकानी (स्वर्ण), सृष्टि पेसवानी (रजत), श्रद्धा मोहनानी (रजत), माही भंबानी (स्वर्ण), ग्रुप कौशल टीम- कनिष्का सोनी, दिशा मोरपानी, निरन्या जैन (स्वर्ण) ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

अंडर 18 बालिका वर्ग: दीपांशी जमतानी (रजत), माही भारती (रजत), हर्षिता मोरंदानी (रजत), रैना बंबानी (स्वर्ण), ऋषिका संकले (स्वर्ण), निरन्या जैन (स्वर्ण) ने अपनी-अपनी श्रेणियों में पदक जीते।

फैशन, लाइफस्टाइल एग्जीबिशन आज से

हिरदाराम नगर। पिछले तीन वर्षों से वोमेंस विंग द्वारा राजधानी भोपाल के अलग अलग स्थानों पर फैशन एवं लाइफ स्टाइल एग्जीबिशन का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी करवाचौथ व दीपावली को ध्यान में रखते हुए दिनांक 16 एवं 17 अक्टूबर को लालघाटी स्थित प्लेओटल इन अरिया में इस एग्जीबिशन का आयोजन किया जा रहा है। इस एग्जीबिशन में प्रमुख आकर्षण, शॉपिंग स्टॉल्स, कपड़े, ज्वेलरी, दीवाली सजावट और अन्य आकर्षक वस्तुएं फूड स्टॉल जैसे अन्य स्टाल आकर्षण का केन्द्र रहेंगे, साथ ही लकी ड्रा के माध्यम से भी एग्जीबिशन में आने वाले मेहमानों को भी कई इनाम दिए जाएँगे। वोमेंस विंग की उषा वाधवानी, भूमिका शर्मा बताया कि यह एग्जीबिशन 16 एवं 17 को 12 बजे से रात्रि 1 0 बजे तक चलेगी।

टेम्पल ऑफ संबोधि में शरद पूर्णिमा महोत्सव आज

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

शरद पूर्णिमा पर्व टेम्पल ऑफ संबोधि में वेदांत संत लाल साईं जी महाराज के पावन सानिध्य में 16 अक्टूबर को रात्रि 9.30 बजे से 11.00 बजे तक मनाया जाएगा। धार्मिक कार्यक्रमों के बाद खीर का वितरण होगा। लालसाईंजी ने बताया कि शरद पूर्णिमा, जिसे कोजागरी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, आश्विन मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है। यह पर्व भक्ति, प्रेम, स्वास्थ्य और समृद्धि का प्रतीक है।

शरद पूर्णिमा का खास महत्व इसलिए है क्योंकि इस दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है और उसकी किरणों में विशेष औषधीय गुण होते हैं। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा से निकलने वाली किरणें अमृत समान होती हैं, जो शरीर को स्वास्थ्य और मानसिक शांति प्रदान करती हैं।

मेट्रो एंकर | मानसिक स्वास्थ्य में सोशल मीडिया की भूमिका पर विशेष सत्र

सोशल मीडिया जरूरी है, लेकिन सीमा तय करनी होगी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में वूमेन सेल एवं एन.एस.एस. इकाई के संयुक्त रूप से मानसिक स्वास्थ्य में सोशल मीडिया की भूमिका पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. समीक्षा साहू, मनोरोग विशेषज्ञ, सहायक प्राध्यापक, गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल, उपस्थित थीं।

कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी के वक्तव्य से हुई, उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग और इसके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव को लेकर जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों के लिए यह जानना और भी जरूरी है कि सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग कैसे करें।सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से उपयोग

हमारे व्यक्तिगत संबंधों को सुधार सकता है और आत्मविश्वास बनाये रखने में भी मदद करता है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, डॉ. समीक्षा साहू ने कहा कि सोशल मीडिया का सही उपयोग करना सीखना आज की जरूरत बन गई है। यह हमें समाज से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम हो सकता है, लेकिन अगर इसका गलत तरीके से या अत्यधिक उपयोग किया जाए तो यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। शोधों से सामने आया है कि ज्यादा मोबाइल देखने से एनाटॉमिक बदलाव आ रहे हैं जिससे मस्तिष्क के सेल नष्ट हो रहे है।

ऑटिज्म,अर्थराइटिस की समस्या, डिस्प्लेसड बिहेवियरतथा अभिव्यक्ति की क्षमता प्रभावित हो रही है इसके साथ ही बायोलॉजिकल क्लॉक का डिस्टर्ब होना भी शामिल है। इस सत्र में मनोवैज्ञानिक प्रश्नोत्तर का भी समय निर्धारित किया गया था। जिसमें उपस्थित छात्राओं ने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा की।

अंततः वनरक्षकों से वसूली पर रोक

भोपाल, दोपहर मेट्रो। वन मुख्यालय ने अंततः वित्त विभाग के आदेश पर 06 से 2014 के बीच नियुक्त वनरक्षकों के वेतन से वसूली करने के आदेश पर रोक लगा दी है। वन विभाग ने इस मामले में वित्त विभाग को आदेश पर पुनर्विचार करने के लिए प्रस्ताव भेजा है, जिसके बाद वनरक्षकों के वेतन से किसी भी प्रकार की वसूली अगले आदेश तक नहीं की जाएगी। इस आदेश का लाभ प्रदेश के 6500 वन रक्षकों को होगा।

वन कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने वन मुख्यालय के आदेश को न्यायोचित बताया है। पांडे का कहना है कि वित्त विभाग ने सितंबर माह में आदेश जारी करके वन विभाग के वनरक्षकों के पद को सीधी भर्ती का पद न मानते हुए पदोन्नति का पद बताया था तथा वनरक्षकों को 1900 ग्रेड पे एवं 5680 वेतनमान का लाभ देने पर रोक लगा दी थी। पिछले 10 साल में वनरक्षकों को मिले ज्यादा वेतन से वसूली के आदेश जारी किए थे। जबकि वित्त विभाग ने आदेश जारी करते समय ना तो सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों और ना ही सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश का पालन किया था। पांडे ने कहा कि वित्त विभाग के आदेश पर वन मुख्यालय ने रोक लगाकर शासन को पुनः वित्त विभाग के आदेश पर पुनर्विचार करने का प्रस्ताव भेजकर वन रक्षकों को सहयोग किया है।

उप चुनाव को देखते लगाई रोक!

बुदनी और विजयपुर में विधानसभा उप चुनाव होने हैं। मंगलवार को चुनाव आयोग ने इसकी घोषणा की है। विजयपुर सीट पर वन मंत्री रामनिवास रावत चुनाव लड़ने वाले हैं। जिसके चलते वे प्रत्येक कदम फूंक-फूंककर रख रहे है। असल में विजयपुर से रामनिवास रावत कांग्रेस की टिकट पर 2023 का चुनाव जीते थे, उन्होंने लोकसभा चुनाव में भाजपा ज्वाइन कर ली थी। जिसके बाद उन्हें सरकार ने वन मंत्री बना दिया था। सूत्रों के मुताबिक जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के कारण नाकेदारों व उनके परिवारों को हुए नुकसान से वनमंत्री की विजयपुर व बुदनी सीट पर नुकसान की संभावनाओं को देखते हुए वसूली पर रोक लगाई है।

आलोक ने पटवारी को फोन पर दिया ज्ञापन का जवाब, सबनानी ने दी चुनौती

बेटी बचाओ व सदस्यता अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बेटी बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता जब भोपाल सांसद आलोक शर्मा को उनके निवास पर ज्ञापन देने पहुंचे तो सांसद ने मोबाइल फोन से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को ही नसीहत दे डाली। उन्होंने कहा कि बेटियों पर राजनीति न करें। महिलाओं, बच्चियों से संबंधित संवेदनशील मामलों को लेकर भाजपा गंभीर है। इससे पहले उन्होंने ज्ञापन लिया और जीतू पटवारी के नाम

एक पत्र भी लिखा। इसमें लिखा गया कि वह स्वयं को देखें कि उनके नेताओं, पूर्व मंत्री और विधायकों ने कब-कब महिलाओं के प्रति गलत टिप्पणियां की हैं। महिलाओं-बेटियों के प्रति उनकी भावना किसी से छुपी नहीं है। यह बात सब जानते हैं।

वहीं भाजपा महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि संगठन पर्व के दूसरे चरण का समापन हो गया है। प्रदेश के सुदूर क्षेत्रों, ऐसे ग्रामीण क्षेत्र जहां मोबाइल नेटवर्क की समस्या है, वहां फार्म के जरिए सदस्यता कराई गई। लेकिन भाजपा के सफल सदस्यता अभियान से कांग्रेस दुखी है। इसलिए भाजपा को बदनाम करने के लिए संगठन पर्व को लेकर भाजपा नेताओं को फोन कर रहे हैं। सबनानी ने जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को चुनौती दी कि कि यदि उनमें दम हो तो सदस्यता अभियान चलाकर दिखाएं। जनता आपके भी सदस्यता अभियान को देखेगी कि किस तरह से आप अभियान चलाते हैं।

सीएम बोले- मप्र नहीं छोड़ेगा कोई कसर, अंतिम छोर तक पहुंचाएंगे लाभ

पीएम की प्राथमिकता वाली योजनाओं को जमीन पर उतारने में मप्र टॉप पर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पीएम मोदी की प्राथमिकता वाली पांच केंद्रीय योजनाओं को जमीन पर उतारने में मप्र टॉप-10 राज्यों में शामिल हो गया है। अब सरकार केंद्र की बची योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए नए सिरे से काम करवा रही है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को कहा है कि जिन योजनाओं में लक्ष्य से अधिक उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं, उनमें और आगे बढ़ने की दिशा में काम हो। सीएम ने मंगलवार को मुय सचिव अनुराग जैन समेत अन्य अधिकारियों के साथ योजनाओं पर बात की।

इन प्रमुख योजनाओं में मप्र ने पाई खास उपलब्धि

पीएम आवास (शहरी)- 8 लाख 40 हजार 940 आवास बनाने थे, 8 लाख 20 हजार 575 आवास बन चुके। उपलब्धि 97.58 फीसदी रही।

पीएम आवास (ग्रामीण)- 37 लाख 98 हजार 709 आवास की जगह 36 लाख 25 हजार 20 आवास बनाए। 95.43त्न काम।

जल जीवन मिशन- 83 लाख 27 हजार 582 लक्ष्य के विरुद्ध 72 लाख 89 हजार 228 नल कनेक्शन दिए। 87.53 फीसदी प्रगति।

आयुष्मान भारत- 4 करोड़ 70 लाख 96914 कार्ड जारी करने थे, 4 करोड़ 2 लाख 22 893 कार्ड जारी किए।

सिंहस्थ: 15 हजार करोड़ के कार्यों को समिति की मंजूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उज्जैन सिंहस्थ की तैयारियां व्यापक स्तर पर शुरू हो चुकी हैं। अलग-अलग विभाग कार्यों की सूची नोडल नगरीय विकास विभाग के पास भेज रहे हैं। 18 विभागों के 568 कार्यों के प्रस्ताव मिल चुके हैं। लागत 15,567 करोड़ है। प्रस्तावों का मुय सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति ने परीक्षण कर अनुशंसा की थी। इसके बाद मंत्रिमंडलीय समिति ने भी काम शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इनमें सड़क, सीवेज, पेयजल, परिवहन, पार्किंग, ट्रांजिट स्थल, घाट निर्माण, कान्ह नदी का डायवर्शन, बिजली आपूर्ति बढ़ाने, भूमिगत केबल बिछाने जैसे काम शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल बोले- हाई रिस्क प्रेगनेंसी का पूर्व चिन्हांकन कर उचित चिकित्सकीय संस्थान भेजें

एम्बुलेंस सेवा और जांच सेवा प्रदाय की समीक्षा बैठक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिये हैं कि हाई रिस्क प्रैग्नेसी का पूर्व चिन्हांकन करें, इससे उचित चिकित्सकीय संस्थान एक बार में भेजा जाकर सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित हों और रेफरल लोड भी कम होगा। रिस्पांस टाइम को कम करने, संसाधनों के उचित प्रबंधन और ट्रांसपैरेंसी के लिए आधुनिक तकनीकी का उपयोग करें जिससे एम्बुलेंस सेवा का उचित

उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। चिकित्सकीय जांच सेवाएं सुविधाजनक रूप से नागरिकों को उपलब्ध हों इसके लिये वेट लीज मॉडल और हब एंड स्पोक मॉडल पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सुविधाएँ उपलब्ध कराने के प्रयास किये गये हैं। सेवाओं की गुणवत्ता और समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सशक्त मॉनीटरिंग करें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में एम्बुलेंस सेवा, जननी एक्सप्रेस सेवा और डायग्नोस्टिक सेवा प्रदाय की व्यवस्था की समीक्षा की। मिशन संचालक एनएचएम प्रियंका दास ने बताया कि प्रदेश में 1059 जननी एक्सप्रेस, 1002 संजीवनी ज़निमें से 167 एडवांस लाइफ सपोर्ट और 835 बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस सेवा है।

स्कूल से जुड़े सभी कर्मचारियों का कराना होगा चरित्र सत्यापन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्राइवेट स्कूल और मदरसों में तैनात शिक्षकों और स्कूल से जुड़े स्टाफ का कैरेक्टर वेरिफिकेशन और पुलिस वेरिफिकेशन कराना होगा। दो दिन में इसका प्रमाण पत्र पेश करना होगा। अपराधिक रिकॉर्ड मिलने की स्थिति में स्कूल से जुड़े किसी मामले में शामिल न करने की हिदायत दी गई है। जिला शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है। शिक्षकों के अलावा गेम टीचर, कप्यूटर ऑपरेटर, सफाई कर्मी, माली, इलेक्ट्रीशियन, गार्ड सहित स्कूल से जुड़े सभी लोगों के कैरेक्टर की जानकारी जुटानी है। इसमें पता करना होगा कि उनके खिलाफ पूर्व में कोई अपराधिक मामला तो नहीं है।

17-18 को खनन कॉन्क्लेव में शामिल होंगे 600 प्रतिनिधि

भोपाल। राजधानी में 17-18 अक्टूबर को होने वाले खनन कॉन्क्लेव में राष्ट्रीय स्तर की कंपनियां सहभागिता करेंगी। कॉन्क्लेव में केंद्रीय खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय राज्य मंत्री एससी दुबे के साथ केंद्रीय खान मंत्रालय के सचिव वीएल कांताराव भी शामिल होंगे। कांताराव मप्र कैडर के अधिकारी हैं जो राज्य में खनन क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए केन्द्र की ओर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में मदद करेंगे। कार्यक्रम में खनन क्षेत्र से जुड़े 600 से ज्यादा प्रतिनिधि भागीदारी करेंगे।

पीएचक्यू ने बैंक से साइन किया एमओयू

पुलिसकर्मियों को अब एक करोड़ का बीमा, नए साल से होगा लागू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश सरकार पुलिसकर्मियों को नए साल में एक बड़ी सौगात दे सकती है। इसके लिए पुलिस मुयालय ने पुलिस कर्मचारी, अधिकारियों के ग्रुप टर्म इंश्योरेंस का एमओयू साइन किया है। इसका लाभ प्रदेश के साढ़े 7 लाख पुलिसकर्मियों को नए साल से मिलना शुरू हो जाएगा। प्रदेश के पुलिस कर्मचारी और अधिकारियों को एक करोड़ रुपए तक का बीमा का लाभ दिया जाएगा। बीमा राशि पुलिस अधिकारी या कर्मचारी की असमय मौत होने पर नॉमिनी को दी जाएगी। एमओयू तीन साल के लिए किया गया है।

ऐसे मिलेगा फायदा

अब सामान्य मृत्यु होने पर 10 लाख रुपए, दुर्घटना मृत्यु होने पर एक करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इसी तरह दुर्घटना में स्थाई पूर्ण दिव्यांगता होने पर एक करोड़ रुपए और आंशिक दिव्यांगता होने पर 80 लाख तक का बीमा कवर का लाभ दिया जाएगा।

संतान के लिए यह

दुर्घटना मृत्यु पर कन्या विवाह पर एक कन्या के लिए पांच लाख रुपए की सहायता मिलेगी। बाल शिक्षा का भी लाभ दिया जाएगा। इसी तरह बेटे के लिए आठ लाख रुपए की मदद मिलेगी और बेटी की शिक्षा के लिए 10 लाख रुपए की मदद दी जाएगी, यह बीमा कवर के अंतर्गत होगा। वहीं एडीजीकल्याण शाखा के अनिल कुमार ने बताया कि पुलिसकर्मियों का ज्यादा से ज्यादा फायदा हो इसको लेकर बैंक से एमओयू किया है। इसकी प्रक्रिया काफी पेंचीदगी वाली है, इसलिए उसे जल्द से जल्द पूरा किया जा रहा है। जल्द इसका लाभ पुलिसर्मियों को मिलने लगेगा।

मेट्रो एंकर | उच्च शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में 'भारतीय ज्ञान परंपरा शीर्ष समिति' की बैठक हुई

विश्वविद्यालय, महाविद्यालय में अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में मंत्रालय में भारतीय ज्ञान परंपरा शीर्ष समिति की बैठक हुई। बैठक में विश्वविद्यालय/सम्भागीय कार्यशालाओं की जानकारी और समस्त विश्वविद्यालयों के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्परा को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षकों के प्रशिक्षण की समीक्षा की गई। मंत्री परमार ने विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर समस्त विश्वविद्यालय, महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा विविध संदर्भ को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिये। बैठक में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के लिए पुस्तकों की सूची का अवलोकन एवं अनुमोदन हुआ, साथ ही मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी लेखकों द्वारा पुस्तकों की सूची का विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण पर भी चर्चा की गई। मंत्री परमार ने स्नातक प्रथम वर्ष के पाठयक्रम का रिव्यू करते हुए पाठ्यक्रम निर्माण 20 नवम्बर 2024 तक चिन्हित लेखकों द्वारा पाण्डुलिपि का निर्माण 31 जनवरी 2025 तक, पाण्डुलिपि का परीक्षण फरवरी 2025 तक तथा पुस्तकों का प्रकाशन मई 2025 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। मंत्री परमार ने कहा कि पाठय पुस्तकों में स्थानीय समुदाय/जनजातीय समुदाय की आस्था, स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान, प्रकृति के प्रतिश्रद्धा-समन्वय के भाव का समावेश होना चाहिये। सांस्कृतिक

गतिविधियों में भागीदारी करने वाले विद्यार्थियों को पुरूस्कृत किया जाना चाहिए। परमार ने कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थियों को अध्ययन केंद्रो का भ्रमण कराया जाये। शिक्षा के लिए समाज को योगदान देने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। विद्यादान जैसा अभियान चलाकर समाज की सहभागिता प्राप्त की जाना चाहिये। बैठक में आयुक्त उच्च शिक्षा निशांत बरवड़े ने बताया कि 26 विश्वविद्यालयों में विगत 3 माह में स्नातक स्तर के 18 विषयों सहित कुल 26 विषय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। 10 संभागों में विगत 2 माह में 24 विषयों पर एक दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। राजाशंकर शाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा में कार्यशाला का आयोजन किया गया। समस्त विश्वविद्यालयों के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्परा को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षकों को प्रशिक्षण 5 नवम्बर से 24 दिसम्बर तक दिया जायेगा। इसके अंतर्गत विज्ञान समूह, में वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, बीएचएससी/ बीएससी, गणित विषय सम्मिलित है। सामाजिक विज्ञान समूह में समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल है। साहित्य एवं मनोविज्ञान समूह में अंग्रेजी साहित्य, हिन्दी साहित्य, संगीत, संस्कृत साहित्य, मनोविज्ञान, दर्शन हैं। वाणिज्य समूह में अर्थशास्त्र, वाणिज्य समूह शामिल है। बैठक में संबंधित मेजर एवं माइनर विषय में भारतीय ज्ञान परंपरा को समाहित किए जाने के परिप्रेक्ष्य में विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान/परिसंवाद, शिक्षण अधिगम को रूचिकर बनाने विषय पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, परीक्षा संचालन एवं मूल्यांकन पद्दति की रूपरेखा पर चर्चा की गयी।

संपादकीय

चुनाव से पहले नया ट्विस्ट

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के ऐन पहले उबल गया है। वहां की सियासत में रसूख रखने वाले बाबा सिद्दीकी की हत्या ने मौजूदा सरकार को परेशानी में डाल रखा है। विपक्ष के राज्य में कानून व्यवस्था को मुद्दा बना रखा है। इससे महाराष्ट्र चुनाव में सियासी दलों के एजेंडे में नया मुद्दा भी जगह बनाने लगा है। यह हत्या तब हुई जब सिद्दीकी छह दिन पहले ही जान से मारने की धमकी मिली थी। हत्याकांड को लेकर आरोपों के घेरे में जिस तरह के लोग आ रहे हैं, उससे यह भी जाहिर हुआ है कि जेल में बंद कोई अपराधी कैसे आपराधिक साजिशों को आसानी से अंजाम दे लेता है और पुलिस लाचार देखती रहती है। बाबा सिद्दीकी अजीत पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के ऐसे नेता थे, जिनकी राज्य की राजनीति और फिल्म उद्योग में खासी पकड़ और पैठ थी।इससे पहले वे करीब बयांलीस साल तक कांग्रेस मे रहे और विधायक व मंत्री तक बने। अब सवाल है कि जब इतने ऊंचे कद के नेता की सरेआम हत्या करने में अपराधियों को कोई खास बाधा पेश नहीं आई, तो आम लोग किस आधार पर खुद को सुरक्षित मानें। मामले में पकड़े गए आरोपियों के जरिए सामने आ सके ब्योरे यह बताने के लिए काफी हैं कि वारदात को अंजाम देते हुए उनके भीतर पुलिस और कानूनी कार्रवाई का कोई खौफ नहीं था। इससे सबसे चौकस मानी जाने वाली मुंबई पुलिस की कार्यकुशलता पर भी सवाल उठे हैं। कहा तो जा रहा है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या के पीछे लारेंस बिश्नोई गिरोह का हाथ हो सकता है। अगर यह खबर सच है, तो यह समूची कानून-व्यवस्था को कठघरे में खड़ा करती है कि जेल में बंद एक अपराधी कैसे अंदर बैठ कर बाहर किसी जानी-मानी हस्ती की हत्या कराने में कामयाब हो जाता है। आखिर क्या वजह है कि इस तरह के अपराध को अंजाम देने वालों पर काबू पाने में पुलिस या संबंधित महकमे नाकाम साबित हो रहे हैं? पहले भी खबरें आ चुकी हैं कि लारेंस बिश्नोई और उसका गिरोह किस तरह देश-विदेश में फैले अपने संगठित तंत्र के जरिए बड़ी-बड़ी वारदात कराता है। विडंबना है कि ऐसी खबरें सरेआम फैली होने के बावजूद अलग-अलग राज्यों में कानून-व्यवस्था का मोर्चा संभालने वाली पुलिस को उसे रोक पाने में कामयाबी नहीं मिल पा रही। अगर किसी दुर्दांत अपराधी को जेल में रहकर भी मनमानी करने का अवसर मिल जाता है, तो यह वास्तव में कानून-व्यवस्था लागू कराने वालों की कार्यक्षमता पर तीखा सवाल है। हालांकि दबी जुबान यह भी कयास हैं कि संभवत- यह मामला किसी और वजह से हो और इसके पीछे कुछ और लोग भी हों, लेकिन जाहिर तौर पर सबसे सवालिया स्थिति तो यह है कि किसी ऐसे व्यक्ति की हत्या हो जाए,जिसे सरकार ने ही वाई कैटेगिरी की सुरक्षा मुहैया कराई हो। जहां तक लारेंस गिरोह की बात है तो इसके पहले अभिनेता सलमान खान को धमकियां व घर पर फायरिंग तक में उसका नाम आया है। यह भी कहा जा रहा है कि देश और विदेश में भी सलमान के करीबियों को यह गिरोह निशाना बना रहा है। यदि यही सच है तो फिर यह पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। काफी दिनों से मुबंई को अंडरवर्ल्ड के दबाव से काफी हद तक मुक्त माना जाने लगा था लेकिन अब एक नये गिरोह की आमद की बात यदि सही है तो यह कारोबार व फिल्म इंडस्ट्री के लिए नया खतरा कहा जाएगा।

कई बार पढ़ने के अलावा, न पढ़ना भी महत्वपूर्ण है।

– बोर्खेस

आज का इतिहास

- 1605 - जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर का निधन।
- 1817 - अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्थापक सर सैयद खान का दिल्ली में जन्म हुआ।
- 1870 - कलकत्ता बंदरगाह को स्वायत्त निकाय के अंतर्गत लाया गया।
- 1874 - कोलकाता को हावड़ा से जोड़ने के लिए 1874 में हुगली नदी पर पीपे से बनाए पंटून पुल को यातायात के लिए खोला गया। इसी पुल की जगह बाद में हावड़ा ब्रिज का निर्माण किया गया।
- 1888: वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन ने ऑप्टिकल फोनोग्राफ के पेटेंट के लिए एप्लिकेशन दी।
- 1906 - स्वामी रामतीर्थ का निधन।
- 1912: बुल्गारिया, यूनान और सर्बिया ने ओटोमन साम्राज्य के खिलाफ लड़ाई की घोषणा की।
- 1917: प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटेन ने पहली बार जर्मनी पर हवाई हमले किए।
- 1918 - युगोस्लाविया ने खुद को गणतंत्र देश घोषित किया।
- 1920 - भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की ताशकंद में स्थापना।
- 1933: प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन नाजी जर्मनी से अमेरिका चले गए।
- 1940 - महात्मा गांधी ने व्यक्तिगत सत्याग्रह की घोषणा की।
- 1949- संविधान सभा ने संविधान के अनुच्छेद 370 को स्वीकार किया। इसके अंतर्गत जम्मू-कश्मीर को विशेष प्रावधान प्रदान किए गए।
- 1955 - हिंदी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री स्मिता पाटिल का जन्म हुआ।
- 1968 - मेक्सिको ओलंपिक में अमेरिका के दो अश्वेत खिलाड़ियों ने रंगभेद के खिलाफ मौन विरोध व्यक्त किया।
- 1970 - भारतीय स्पिन गेंदबाजी के धुरंधर अनिल कुंबले का जन्मदिन। कुंबले के नाम एक दुर्लभ रिकार्ड है। वह टेस्ट क्रिकेट में एक पारी में 10 विकेट लेने वाले भारत के पहले और विश्व के दूसरे खिलाड़ी हैं।

निशाना

काण्ड भी तमाम !

- कृष्णेन्द्र राय

जैसी करनी वैसी भरनी ।
खाए खूब मलाई ।।
पर आए थे करने ।
जनता की भलाई ।।
तय मिलना परिणाम ।
पेश किया जो काम ।।
सत्य है पर लेकिन ।
काण्ड भी तमाम ।।
एक एक कर चीजें ।
बाहर आने वाली ।।
हो रहा कुछ सूखा ।
थी पहले हरियाली ।।
होना था प्रहार ये ।
आज नहीं तो कल ।।
फंस गई है गाड़ी ।
लगता मुश्किल हल ।।

भारत इस मामले में 3 दशक पीछे है

गाज़ा और यूक्रेन में लड़ाई टेक्नॉलजी के जरिए हो रही है

■ ले.जन. एच.एस. पनाग (रिटा.)

हाल में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में एक विद्वान मित्र ने किसी भी सेना के लिए वे 15 सामरिक बातें गिनाई हैं जिनका पालन आज सैन्य टेक्नोलॉजी में भारी विकास के कारण बिलकुल नया रूप ले चुके युद्धक्षेत्र के लिए बेहद जरूरी हैं. ये सबक रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-गज़ा/हमास/ईरान युद्ध से हासिल हुए हैं. इन लड़ाइयों में अत्याधुनिक हथियारों और सपोर्ट सिस्टम का सफलता के साथ प्रयोग किया गया है। मैं यहां इन बुनियादी सामरिक जरूरतों—मसलन फायर पावर, सुरक्षा, और गतिशीलता— से संबंधित बातों की चर्चा करूंगा. सेनाएं अपनी जमीन की रक्षा करने या बड़े स्तर पर दूसरी जमीन पर कब्जा करने के लिए आदिकाल से इन सामरिक उपायों का इस्तेमाल करती रही हैं. टेक्नोलॉजी में तमाम विकास के बावजूद, जमीन की रक्षा या उस पर कब्जा जमीन पर उतरकर ही किया जा सकता है. वैसे, सैन्य टेक्नोलॉजी और इन तीन बुनियादी उपायों का प्रभुत्व कई वर्षों से युद्धनीति को स्वरूप प्रदान करता रहा है। निगरानी और टोही व्यवस्था के उपग्रह, ड्रोन, विमान, रडार, इलेक्ट्रोनिक/साइबर खुफियागीरी जैसे साधनों ने युद्धक्षेत्र को पारदर्शी बना दिया है. ये टेक्नोलॉजी स्थिर और गतिशील लक्ष्यों की सटीक पहचान कर सकती है और उन्हें हवा या जमीन पर तैनात 'प्रीसीजन गाइडेड म्यूनीशन' (पीजीएम) से 100 प्रतिशत निशाना बनाया जा सकता है।

इसमें कटौती करने वाली वजहें हैं— संसाधन और लागत, और गतिज युद्ध सामग्री की मारक क्षमता, जो इस बात पर निर्भर करती है कि लक्ष्य को कितनी मजबूत सुरक्षा हासिल है. वैसे, इस सीमा को सस्ते ड्रोनों और गहरी मार करने वाली युद्ध सामग्री के इस्तेमाल से कुछ हद तक तोड़ा जा सकता है। बचाव के मोर्चे पर हम प्रथम विश्वयुद्ध वाली मशहूर खंदकों और 'टनेल डिफेंस' की वापसी भी देख रहे हैं. कमांड व कंट्रोल सिस्टम, फायर कंट्रोल, गाइडेड मिसाइलों/ म्यूनीशनों आदि को नाकाम करने वाली इलेक्ट्रोनिक और साइबर जैमिंग आदि हमलावर पक्ष और बचाव पक्ष के लिए भी खतरे बढ़ा देती है। ऐसे माहौल में फायर पावर और सुरक्षा तथा बचाव पक्ष को गतिशीलता के मामले में स्पष्ट बढ़त हासिल होती है. हमलावर को जमीन पर कब्जा करने के लिए मजबूरन खुले में आकर कार्रवाई करनी पड़ती है.जब तक सुरक्षा और फायर सपोर्ट का 70-80 फीसदी हिस्सा नष्ट नहीं किया जाता (अतीत में दुश्मन को न्यूट्रलाइज़ करने की स्थिति में आने के लिए इतना करना पड़ता था), तब तक जमीनी हमला सैनिकों और साजसामान को गंवाने के लिहाज से महंगा पड़ता है. यही वजह है कि यूक्रेन या गज़ा में सेनाओं की संयुक्त कार्रवाई (जो द्वितीय विश्वयुद्ध और उसके बाद भी लड़ाइयों में काफी प्रचलित थी) के बावजूद बड़े भूभाग पर कब्जा नहीं किया जा सका है।

वैसे, बढ़त एक सापेक्ष उपलब्धि है, क्योंकि हमलावर और बचाव पक्ष खुफियागीरी, टोही तथा निगरानी कार्रवाइयों के खिलाफ जवाबी उपाय कर सकते हैं. इलेक्ट्रोनिक तथा साइबर युद्धों, ड्रोन, हवा/जमीन से की जाने वाली मार के खिलाफ सुरक्षा कवच बनाया जा सकता है, जैसा कि यूक्रेन ने कुर्स्क आक्रमण के दौरान बनाया था. लागत और संसाधन इसमें भी कमजोरी की वजह बन सकते हैं।सार यह कि युद्धनीति में बुनियादी बदलाव आ गया है. विशाल फौजी डिवीजन और कोर आकार की सैन्य टुकड़ी के साथ संयुक्त सैन्य कार्रवाई के दिन गए. अब सारे युद्ध कुशल संयुक्त आर्म्स ब्रिगेड, छोटी यूनिटों और नयी टेक्नोलॉजी के पूर्ण उपयोग के लिए बनाए गए संगठनों की मदद से लड़े जाएंगे।अधिकतर आधुनिक सेनाएं अब तक बहुआयामी टेक्नोलॉजी से लैस अत्याधुनिक वेपन सिस्टम्स का इस्तेमाल करती रही हैं. इनमें उल्लेखनीय उदाहरण हैं— टैंक, थलसेना के युद्धक वाहन, तोपें, एअर डिफेंस सिस्टम्स, हमला और दूसरा काम करने वाले हेलीकॉप्टर, सभी तरह के विमान, विमानवाही पोत, जहाज तथा पनडुब्बियां. ये सब अब बहुत ज़्यादा महंगे हो गए हैं और देश के संसाधन को नुकसान पहुंचाते हैं. यूक्रेन युद्ध से स्पष्ट है कि अमीर देश भी इनके मामले में किफायत बरतते हैं। ताकतवर और अमीर देश महंगी सैन्य टेक्नोलॉजी पर लंबे समय से एकाधिकार रखते थे. इस बीच, कमजोर देशों और नागरिकता विहीन तत्वों को चौथी पीढ़ी की

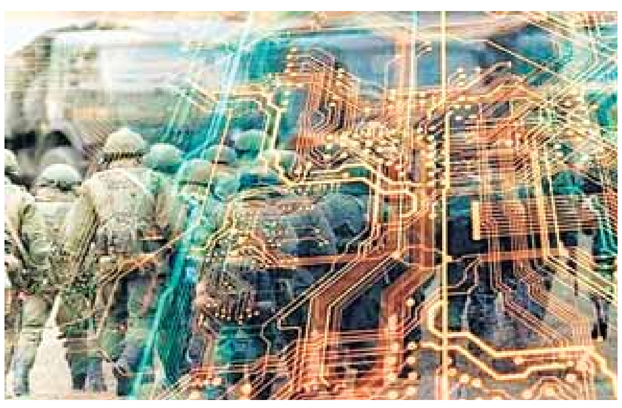

युद्धनीति का इस्तेमाल करते हुए लंबा संघर्ष करना पड़ा जिसके कारण या तो मजबूत देश थक गए या कमजोर पक्ष नष्ट हो गए. चूंकि सैन्य टेक्नोलॉजी का हमेशा दोहरा इस्तेमाल किया जाता रहा है, इसके असैनिक-व्यावसायिक संस्करण को सरल, सस्ता और फौरन उपयोग के काबिल बनाना जरूरी हो गया. यह टेक्नोलॉजी आज बड़े पैमाने पर सस्ती और प्रभावी वेपन सिस्टम्स उत्पादित कर रही है।फिलहाल जो नयी वेपन सिस्टम्स सामने हैं उनमें ड्रोन जैसे मनुष्य द्वारा संचालित 'एआइ' (आर्टिफ़ीशियल इंटेलिजेंस) और रोबो सिस्टम शामिल हैं, जो सस्ते, कुरबान किए जाने योग्य हैं और जिन्हें भारी संख्या में उत्पादित किया जा सकता है. यूक्रेन की रक्षा महंगे नहीं बल्कि भारी संख्या में उत्पादित एफपीवी ड्रोनों ने की है, जो सैकड़ों गुना सस्ते हैं और जिनका इस्तेमाल अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिक भी कर सकता है. यूक्रेनी एफपीवी पाइलट तिमोफी ओरेल की जोरदार कामयाबियों को देखिए, जिन्होंने जनवरी से मई 2024 के बीच 434 दुश्मनों का सफाया कर दिया, 346 को घायल कर दिया; 42 टैंक, 44 बीएमपी, 10 एमटी-एल्बी (बहुपयोगी बख्तरबंद वाहन)और 26 बीटीआर (एपीसी) नष्ट कर दिए. उनके लॉन्ग रेंज ड्रोन काफी सस्ते हैं. इन ड्रोनों ने न केवल रूसी नौसैनिक बेड़े को पश्चिमी ब्लैक सी से भागा दिया बल्कि 1700 किमी दूर मॉस्को को भी निशाना बनाया।अगले करीब दो दशकों में महंगे अत्याधुनिक सिस्टम्स के साथ एआइ या रोबो वाले सस्ते सिस्टम्स का भी उपयोग किया जाने लगेगा. और आगे चलकर एआइ या रोबो वाले सस्ते सिस्टम्स ही सबसे ज्यादा इस्तेमाल में होंगे।

टेकनो युध्दक्षेत्र में कैसे लड़ें- सेना के सेक्सन से लेकर कोर तक कमांड के सभी स्तर पर युद्धक्षेत्र में पारदर्शिता बरतनी होगी. ऐसा न कर पाने वाली सेना बराबरी की लड़ाई नहीं लड़ पाएगी. लागत-लाभ के अनुपात के लिहाज से सबसे मुफीद युद्ध उपग्रह और इलेक्ट्रोनिक/साइबर की मदद से की जाने वाली लड़ाई के अलावा बड़ी संख्या में सस्ते सामरिक ड्रोन की मदद से लड़ी जा सकती है. इन ड्रोनों पर कई तरह के कैमरे और इलेक्ट्रोनिक यंत्र तैनात किए जा सकते हैं। जो पक्ष ज्यादा पीजीएम तैनात करेगा वह बढ़त ले लेगा. निकट भविष्य में युद्धक्षेत्र पर सस्ते ड्रोनों और खुफियागीरी करने वाले बुनियादी पारंपरिक हथियारों के साथ-साथ कमांड के कुछ ऊंचे स्तर पर हवा/ड्रोन/जमीन से छोड़े जाने वाले अचूक मगर महंगे पीजीएम का राज रहेगा. यूक्रेन और हमास ने इस मॉडल के प्रयोग का प्रदर्शन कर दिया है। मौजूदा कम्यूनिकेशन और गाइडेड वेपन सिस्टम्स काफी मात्र में इलेक्ट्रोनिक/साइबर सिग्नल भेजते हैं जिनके चलते उन्हें ईडब्लू और सीडब्लू की मदद से रोकना, भटकाना आसान हो जाता है. ये सिग्नल अपने स्रोत का सटीक पता बता देते हैं. पहले, इन स्रोतों को भारी अनगाइडेड गतिज फायर पावर से निशाना बनाया जाता था. अब स्रोत के महत्व के हिसाब से उन्हें जमीन, हवा या ड्रोन पर तैनात पीजीएम से मिनटों के अंदर मार गिराया जाता है। पारदर्शी युद्धक्षेत्र और पीजीएम सेना की सुरक्षा को जरूरी बनाते हैं. सीमाओं की सुरक्षा की स्थायी व्यवस्था के लिए सेना और साजोसामान को भूमिगत रखना पड़ेगा।

यूक्रेन-रूस और इजरायल-गज़ा/लेबनान/ईरान युद्धों ने मौजूदा आधुनिक सैन्य टेक्नोलॉजी और उभरती नयी टेक्नोलॉजी की संयुक्त भूमिकाओं का प्रत्यक्ष उदाहरण प्रस्तुत कर दिया है। यूक्रेन ने महंगी, अत्याधुनिक और मुख्यतः आयातित वेपन सिस्टम्स का प्रयोग करके, उभरती नयी टेक्नोलॉजी का जुगाड़ू इस्तेमाल करके और खासकर भारी तादाद में उत्पादित सस्ते ड्रोनों का तरह-तरह से इस्तेमाल करके अपने से ताकतवर प्रतिद्वंद्वी को गतिरोध की स्थिति में डाले हुए है। लेकिन इजरायल बेहतर टेक्नोलॉजी का भारी पैमाने पर इस्तेमाल करके उनसे बा जी मार ले रहा है। मुझे कोई संदेह नहीं है कि भारतीय सेना यूक्रेन-रूस, और इजरायल-हमास/ हिज्बुल्लाह/ ईरान/हाउती लड़ाइयों से उभरते सबक का अध्ययन कर रही है। लेकिन बदलाव का खाका अभी सामने नहीं आया है। फिलहाल भारतीय सेना तीन दशक पहले शिखर पर पहुंची टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके युद्ध लड़ने के लिए संगठित और तैयार की गई है। सारा ज़ोर बजट और ऐसी टेक्नोलॉजी को शामिल करने पर है जिसे आधुनिक सेनाओं ने एक दशक पहले ही अपना लिया था. रक्षा बजट के घटते आकार के कारण प्रगति की रफ्तार धीमी है। पिछले चार साल में उभरती टेक्नोलॉजी पर भी ध्यान दिया गया है. लेकिन मेरा आकलन यह है कि भारतीय सेना उभरती टेक्नोलॉजी को पूर्ण परिवर्तन की खातिर नहीं बल्कि चरणबद्ध बदलाव के लिए अपना रही है, जबकि पूर्ण परिवर्तन वक्त की मांग है।मैं फिर दोहराऊंगा कि एक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति और राष्ट्रीय प्रतिरक्षा नीति तुरंत बनाई जाए ताकि सेनाओं के परिवर्तन का रास्ता तैयार हो। चीन ने अपना परिवर्तन 2015 से ही शुरू कर दिया था और 2035 तक वह इसे पूरा कर लेगा। सस्ती अत्याधुनिक सैन्य टेक्नोलॉजी ने इस अंतर को पाटने का भारत को अनूठा मौका उपलब्ध कराया है. अब अगले दशक में परिवर्तन करना भारत के लिए एक मजबूरी है।

-साभार: यह लेखक के विचार हैं

यादों में रतन टाटा: एक शहर से उठती स्मृतियों की कहानियां

■ डॉ. विजय शर्मा

रतन टाटा के पूर्वजों ने देश में पहला स्टील मिल खोला था। इन्हीं लोगों ने बैंग्लोर में दि इंडियन इंस्ट्यूट ऑफ साइंस खोला। ये दीगर है कि वे स्टीलमिल खोलने वाले के सीधे वारिस न थे, मगर उन्होंने टाटा की विरासत को संभाला और उसे विस्तारित किया। वे टाटा उद्योग के चेयरपर्सन थे मगर उनके रहन-सहन में कभी अमीरी-फिजूलखर्ची नजर नहीं आई।

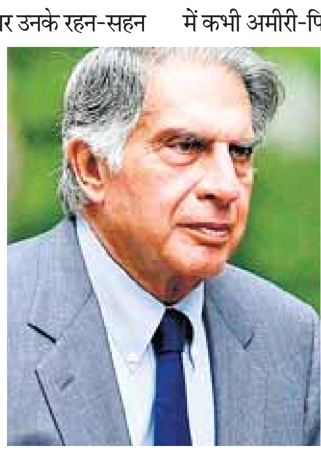

देवबंद के बुल्लेशाह की गलियों से निकल कर एक छोटी लड़की टाटा की सड़कों की सैर करती है और चकित होती है, 'बाप रे बाप, इतनी सड़कें! कैसे लोग रास्ता याद रखते होंगे? कैसे अपने घर वापस जाते होंगे?, इत्ता बड़ा शहर!' मगर उस लड़की ने टाटानगर को अपना घर बना लिया और फ़िर कभी रास्ता नहीं भूली। वह अपने बाबा-दादी, नाना-मौसी सबको छोड़ कर इस अजनबी शहर में आई थी और इसके प्यार में पड़ गई। असल में यह लड़की जिस साल टाटानगर आई उसी 1961 में रतन टाटा ने टाटा स्टील में काम प्रारंभ किया था और 1991 में टाटा सन्स के चेयरपर्सन बने थे। लड़की अब उम्रदराज स्त्री बन चुकी है, टाटानगर उसकी पहचान है। उसे रतन टाटा से प्यार है, वह उनका हृदय से सम्मान करती है। तो हुआ न दोनों का इतना लंबा साथ! और कल रात जब बैंग्लोर से उसकी जर्नलिस्ट बेटी ने बताया, रतन टाटा नहीं रहे। वह काफ़ी देर कुछ न बोल सकी। शहर का सरपरस्त, शहर को नई दिशा-दशा में लेजाने वाला चला गया, वह क्या बोले! वह कभी उनसे नहीं मिली थी, बस उसने उन्हें एक बार दूर से देखा था। उतना ही काफ़ी था श्रद्धा उत्पन्न करने केलिए। न मालूम कितनों के लिए रतन टाटा 'लाइटहाउस' रहे हैं।

तुलसीदास कह गए हैं जो राजा अपना कर्तव्य निभाता है उसके मरने का शोक नहीं करना चाहिए। मगर दुःख तो होता है। वे मेरे कोई नहीं थे, फ़िर भी अपने थे। उनके बारे में इतना सुना है, इतना पढ़ा है और आज न केवल टाटनगर शोक में डूबा हुआ है, पूरा देश उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है। टाटानगर में पहली बार पारसियों को देखा, बाद में कई पारसी क्लासमेट रहे, और बाद में कुछ पारसियों को पढ़ाया भी। रतन टाटा के पूर्वजों ने देश में पहला स्टील मिल खोला था। इन्हीं लोगों ने बैंग्लोर में दि इंडियन इंस्ट्यूट ऑफ साइंस खोला। ये दीगर है कि वे स्टीलमिल खोलने वाले के सीधे वारिस न थे, मगर उन्होंने टाटा की विरासत को संभाला और उसे विस्तारित किया। वे टाटा उद्योग के चेयरपर्सन थे मगर उनके रहन-सहन में कभी अमीरी-फिजूलखर्ची नजर नहीं आई। हां, दूसरों के लिए अपनी सम्पत्ति से उन्होंने जो किया वह देश कभी भूल नहीं सकता है। वे न केवल महान उद्योगपति थे, वरन महान मानवतावादी भी थे।

बचपन से उन्हें सीख मिली थी धन का सम्मान करना है, उसका प्रदर्शन और बर्बादी नहीं। और बचपन भी कैसा! एकाकी! जब वे केवल 10 साल के थे, माँ सोनी छोड़ कर चली गई, और पिता नवाल टाटा ने दूसरी शादी कर ली। उनके बचपन में उनकी दादी उनका आश्रय थीं। शायद इन्हीं अनुभवों ने उन्हें शादी से विमुख रखा। अपने कुत्तों से बेहद लगाव रखने वाले वे सदा लाइमलाइट में रहे मगर हमेशा शर्मीले और अपनेआप में सिमटे हुए। उन्होंने स्वयं स्वीकारा है, 'मैं बहुत सामाजिक नहीं हूँ लेकिन एंटी-सोशल नहीं हूं।'

2008 में जब भारत सरकार ने उन्हें पद्म विभूषण की पदवी दी तो इस अवसर पर पूरा टाटानगर सम्मानित अनुभव कर रहा था। इसके पहले जब 2000 में उन्हें पद्म भूषण मिला थ तब भी शहर ने जश्न मनाया था। काभी समय से वे कमजोर नजर आने लगे थे, मगर चेहरे पर वही निश्छलता और मुस्कान कायम थी।

कुछ दिन पहले भी उन्होंने कह अथा वे रुटीन चेकअप करवा रहे हैं, मात्र उम्र का तकाजा है। मगर 86 साल के रतन टाटा, इस देश के रतन ने अंतिम सांस ली तो पूरा देश, पूरा विश्व उद्योग शोक में डूब गया है। टाटा अपने नैतिक मूल्यों के लिए प्रसिद्ध हैं, और रतन टाटा न केवल व्यापार बल्कि निजी जीवन में भी नैतिकता के उदाहरण हैं। उनकी अगली यात्रा शांतिपूर्ण हो! मैं अपनी ओर से इस महान आत्मा को श्रद्धांजलि देती हूं!

-साभार

विस्थापन व बदहाली से मानवता पर संकट दुनिया पर युद्व का साया

■ सुरेश सेठ

इस्राइल और हमास के बीच की भीषण लड़ाई को एक वर्ष पूरा हो चुका है। इस संघर्ष ने डेढ़ करोड़ लोगों पर गहरा असर डाला है। लगभग 42,000 लोगों की जान गई, जिनमें 16,000 फलस्तीनी बच्चे शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप 18,000 से अधिक बच्चे अनाथ हो गए हैं। लेबनान की 55 लाख की आबादी में हर पांचवां व्यक्ति इस्राइली हमलों के कारण विस्थापित हो गया है। पिछले दो वर्षों से रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध का कोई अंत नजर नहीं आ रहा। जिस यूक्रेन को रूस ने कुछ नहीं समझा था, उसने नाटो, पश्चिमी देशों और अमेरिका की परोक्ष सहायता से एक भयंकर संघर्ष जारी रखा है और साथ ही रूसी क्षेत्रों में घुसपैठ का साहस दिखाया है। दुनिया के शांति और समझौते के पक्षधर देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, ने इस युद्ध की समाप्ति के लिए पुतिन और जेलेंस्की दोनों से बातचीत की है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की शांति अपीलों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इसी तरह, एक वर्ष से इस्राइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध, जिसे नेतन्याहू ने हमास के आतंकियों द्वारा शुरू किया गया बताया है, अभी भी जारी है। इस्राइल का भीषण आक्रमण बढ़ता जा रहा है। धीरे-धीरे इस युद्ध का दायरा बढ़ रहा है, जिसमें लेबनान पर इस्राइली कार्रवाइयां, हिज्बुल्लाह के साथ संघर्ष और सीरिया-ईरान की एकता इस युद्ध के घेरे को विस्तारित कर रही है। बेशक, दुनिया युद्ध नहीं चाहती और आम आदमी, चाहे वह किसी भी कोने में हो, युद्ध की इस अफरातफरी में आवश्यक आपूर्ति के लिए संघर्ष कर रहा है। हाल ही में ईरान की 200 से अधिक मिसाइलें इस्राइल पर दागी गईं, जिससे युद्ध की गतिविधियां बढ़ गई हैं। इसके साथ, दुनिया को अगली चुनौती तेल आपूर्ति संकट के रूप में सामने आ सकती है। यह युद्ध केवल सीधे लड़ रहे देशों तक सीमित नहीं है; इसके पीछे समर्थक देशों का एक छाया युद्ध भी चल रहा है, जो सहायता और संसाधनों की आपूर्ति या लड़ाई में शामिल लोगों को समर्थन देने के रूप में प्रकट होता है। शांति अपीलों के बावजूद, इस संघर्ष का अंत नजर नहीं आ रहा।

हाल ही में इस्राइल और हमास के बीच गाजा पट्टी में जारी लड़ाई और भी भयावह हो गई है। अब यह संघर्ष लेबनान तक पहुंच चुका है, जहां इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान के कस्बों को खाली करने का आदेश दिया है। इस्राइली सेना ने हमास के वरिष्ठ कमांडरों को मार गिराने का दावा किया है। इसके बाद, लेबनान में विस्फोटों और हिज्बुल्लाह के प्रमुख नेता नसरल्लाह की मौत के साथ स्थिति और अधिक बिगड़ गई है। इस्राइली सेना ने तीन महीने पहले गाजा पट्टी में हमास के वरिष्ठ नेता रबही मुश्तहा और दो अन्य कमांडरों को मार गिराया था। मुश्तहा, जो हमास के शीर्ष नेता सिनवार का करीबी सहयोगी था, पर 7 अक्तूबर को इस्राइल पर हुए हमले की साजिश का आरोप है। माना जाता है कि सिनवार गाजा में छिपा हुआ है। युद्ध अब गाजा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लेबनान, सीरिया और ईरान भी इसमें शामिल हो चुके हैं, परमाणु बम की धमकियां भी दी जा रही हैं।

इस्राइल की लड़ाई लेबनान में भयानक होती जा रही है, जहां उसने फास्फोरस बम दागे हैं। चिकित्सा शिविरों, शरणार्थी शिविरों और स्कूलों पर हमले हो रहे हैं, जबकि कहा जा रहा है कि आतंकी वहां छिपे हुए हैं। हाल ही में बेरूत की एक इमारत पर हवाई हमले में 9 लोग मारे गए, जिसमें रेडक्रास के चार स्वास्थ्यकर्मियों की भी मौत हुई।सितंबर के अंत से जारी बमबारी में इस्राइल ने बड़ी संख्या में लोगों को मार डाला है, जबकि हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। लड़ाई अब बेरूत के मध्य क्षेत्र तक पहुंच चुकी है, जहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय और अन्य महत्वपूर्ण इमारतें भी निशाने पर हैं। इस्राइली सेना ने हिज्बुल्लाह के लगभग सैकड़ों ठिकानों पर हमला किया है, और दक्षिणी लेबनान को खाली करने की चेतावनी दी जा रही है, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने इस क्षेत्र को बफर जोन घोषित किया था। अभी तक इजिप्ट और अन्य कट्टर मुस्लिम देशों ने इस लड़ाई में सीधा हस्तक्षेप नहीं किया है, लेकिन उनकी हमदर्दी का पक्ष स्पष्ट नहीं है। मानवीयता के हनन को हम विभिन्न युद्धों में देख सकते हैं—जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध, इस्राइल-हमास संघर्ष, और हिज्बुल्लाह के साथ बढ़ती लड़ाई।

-लेखक साहित्यकार हैं।

सीएम हेल्पलाइन में 4 महीने से चल रही शिकायत नहीं हो पाया कोई निराकरण

किसान को बिना खाद दिए ही पगढाल सहकारी समिति ने बना दिया 27 हजार का कर्जदार!

संतोष सिंह चंदेल/सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

शिवपुर और सिवनी मालवा सहकारी समितियों में सहकारिता विभाग में भ्रष्टाचार सुरसा की तरह बढ़ता जा रहा है जिसे आज ना तो कोई रोकने वाला है ना ही कोई टोकने वाला है और ना ही कोई बोलने वाला है। यहां पर हम फिर यही कहेंगे कि जिला सहकारी बैंक वह काजल की काली कोठरी है कि जिसमें से बेदाग निकल पाना मुमकिन ही नहीं असंभव है जहां पर किसानों के साथ समिति प्रबंधकों द्वारा किसानों का शोषण कर जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इससे पहले भी हमने भ्रष्टाचार के इस महा अभियान में जिला सहकारी बैंक की समिति भैरोपुर में हो रहे किसानों के शोषण की खबर को प्राथमिकता के साथ प्रकाशित किया था। जिला सहकारी समितिओ में हो रहे भ्रष्टाचार और शोषण का ऐसा ही एक मामला फिर सामने आया है। किसान ने इस बात की शिकायत नर्मदा पुरम कलेक्टर सहित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में भी की है लेकिन अभी तक उसका कोई निराकरण नहीं हुआ है। मंगलवार के दिन पीड़ित किसान ने इसी मुद्दे को जनसुनवाई में भी रखा पीड़ित किसान ने अपने आवेदन में बताया कि मेरे पिताजी का नाम कमल सिंह रघुवंशी है जिनका खाता सहकारिता विभाग के वृताकार सहकारी समिति पगढाल, जिला सहकारी बैंक शाखा शिवपुर, जिसकी मुख्य ब्रांच जिला सहकारी बैंक होशंगाबाद, जिला नर्मदापुरम मध्य प्रदेश में है।

उन्होंने बताया कि समिति के कर्मचारी द्वारा खाद के परमिट पर साइन करवा लिए और कहा कि खाद आएगा जब आपको मिल जाएगा, जिसमें से 10 बोरी यूरिया और 20 बोरी डीएपी का परमिट और चेक पर हस्ताक्षर करवाकर ले लिया गया, सभी किसानों के साथ यही प्रक्रिया चल रही थी तो मेरे पिताजी ने भी हस्ताक्षर कर दिए। जब खाद वितरण का समय आया तब मुझे सिर्फ 10 बोरी यूरिया प्राप्त हुआ, जब डीएपी के बारे में मैंने पूछा तो इन्होंने उस समय डीएपी नहीं होने का कारण बताया और बाद में देने को कहा। इसके बाद मुझे डीएपी कभी नहीं मिला और

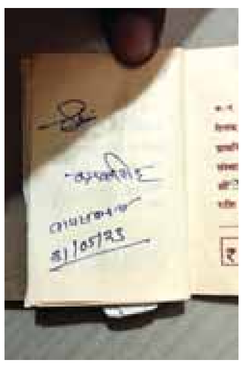

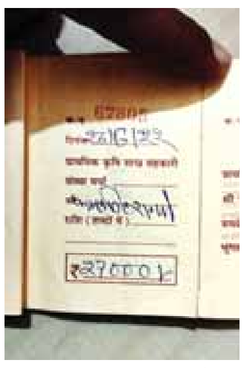

उसका पैसा इन्होंने मेरे खाते पर ऋण के रूप में चढ़ा दिया। इसके बारे में जब समिति प्रबंधक से बात की तो उन्होंने इसे ठीक करने का आश्वासन दिया और कहा कि हम 10 दिनों में इसे ठीक कर देंगे। आज 2 साल के बाद भी स्थिति वही की वहीं है मैंने इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन में भी की तो इन्होंने फिर आश्वासन दिया कि हम इसे ठीक कर देंगे आप शिकायत बंद कर दो जिला सहकारी बैंक होशंगाबाद के अधिकारी ने मुझ से जबरदस्ती वह शिकायत बंद करवाई जिसका शिकायत नंबर 6374886 दिनांक - 09.03.2024 था।

समिति के कर्मचारियों द्वारा भ्रष्टाचार किया है, जिसमें डीएपी का परमिट हमारे नाम पर काटकर खाद नहीं दिया गया है, जिससे मैं 2 साल से डिफॉल्टर हो गया हूं, अगर मैं खाद लेने जाता हूं तो बोलते हैं कि पहले 20 बोरी डीएपी के 27 हजार रुपए जमा करो उसके बाद खाद मिलेगा, जो खाद मुझे मिला ही नहीं उसका पैसा मैं कैसे जमा कर सकता हूं जबकि वह खाद का पैसा इन लोगों के द्वारा भ्रष्टाचार करके आपस में बांट लिया है, मेरी सुनवाई नहीं हो रही है।

मेरे द्वारा सीएम हेल्पलाइन में और भी शिकायत की है जो लंबित है जिसका निराकरण आज भी नहीं हो पाया है जिनका नंबर है-27404070, 27048795, 27297638, 28399024, जब मैने बैंक के अधिकारियों से इस संबंध में बात की तो यह मानते हैं कि खाद आपको नहीं मिला पर चेक पर हुए साइन को यह सही बतला कर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं, और अपने अधिकारियों का भ्रष्टाचार को दबाने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि इन अधिकारियों को पता है कि इन किसानों के साथ भ्रष्टाचार हुआ है इन्हें खाद नहीं दिया गया है, फिर भी इस मामले को दबाने के लिए पूरा प्रयास कर रहे हैं मेरे जैसे 18 किसान और हैं जिनके साथ यह भ्रष्टाचार हुआ है।

मैं बहुत मानसिक प्रताड़ना झेल रहा हूं मायने हमेशा अपने खाद बीज का पैसा समय पर जमा किया है पर इन भ्रष्टाचारियों के कारण आज में डिफाल्टर हो गया हूं. मैं 2 साल से इन लोगों के चक्कर काट रहा हूं पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। किसानों ने आरोप लगाया है कि सहकारिता विभाग में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है, सहकारिता विभाग के अधिकारी कर्मचारी किसानों का शोषण करके अपनी जेब भर रहे हैं, और किसान सहकारिता विभाग के कारण गरीब होता जा रहा है, अगर समय रहते इसका ध्यान नहीं दिया गया तो हम किसानों का आपकी सरकार और सहकारिता विभाग से विश्वास उठ जाएगा।

पीड़ित किसान का कहना है

जब मेरे द्वारा 20 बोरी डीएपी का 27000 हजार रुपए का चैक दिया गया था तब मुझे डीएपी नहीं मिलने पर चेक के पीछे समिति द्वारा लिखा गया कि यह राशि वापस करना है जब समिति ने किसान को बिल काटा तो खाद देने वाले के कहीं भी हस्ताक्षर नही है। वही किसान ने बताया कि इस बात के निराकरण करने के लिए सीएम हेल्पलाइन में जो शिकायत दर्ज है उसके समाधान के लिए भी 10/10/2024 को लेटर आया हैं लेकिन समिति द्वारा समाधान ओर निराकरण के लिए कोई भी कदम नहीं उठाया जा रहा है।

मंडीदीप में रेजिंग एंड एक्सलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) स्कीम के अंतर्गत कार्यशाला आयोजित

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

मंडीदीप में रेजिंग एंड एक्सलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) स्कीम के अंतर्गत कार्यशाला आयोजित रायसेन, 15 अक्टूबर 2024 जिले में मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को रेजिंग एंड एक्सलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) स्कीम के अंतर्गत एसोसिएशन ऑफ ऑल इंडस्ट्रीज़ मंडीदीप के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ज़ेड स्कीम, लीन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और व्यापार प्राप्य इलेक्ट्रॉनिक डिस्काउंटिंग सिस्टम (TReDs) के बारे में जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम की शुरुआत RAMP योजना के नोडल अधिकारी और मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम (एमपीएलयूएन) के उप महाप्रबंधक अनिल थागले एवं जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र मंडीदीप के महाप्रबंधक के संबोधन से हुई। जिसमें उन्होंने योजना का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।

उन्होंने RAMP योजना के उद्देश्यों और इसमें मध्य प्रदेश सरकार की भूमिका और योगदान पर प्रकाश डाला। इसके बाद जेड (जीरो डिफेक्ट ज़ीरो इफेक्ट) विशेषज्ञ, अमन बंसल ने जेड योजना के लाभों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद से सरोज जेना ने लीन स्कीम के महत्व पर एक प्रभावशाली सत्र लिया, जिसमें उन्होंने इस योजना के कार्यान्वयन से एमएसएमई को होने वाले लाभों पर चर्चा की। इसके अलावा, आईपीआर विशेषज्ञ डॉ. अजय चौबे ने बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के महत्व पर एक सत्र का संचालन किया, जिसमें उन्होंने उद्यमियों को इस क्षेत्र में अधिक जागरूक रहने का संदेश दिया। TReDs (व्यापार प्राप्य इलेक्ट्रॉनिक डिस्काउंटिंग सिस्टम) पर इनवॉइस मार्ट द्वारा सत्र आयोजित किया गया।

जनसुनवाई में 135 आवेदनों पर हुई सुनवाई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के जनसुनवाई कक्ष में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने 135 आवेदनों पर सुनवाई की और लोगों की समस्याओं का निराकरण किया। साथ ही पिछली जनसुनवाई में आए आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी भी ली।

जनसुनवाई में दूर-दराज से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। इनमें सड़कें, पानी, बिजली, स्वास्थ्य और अन्य विकास कार्यों से संबंधित समस्याएं शामिल थीं। सीईओ ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लोगों की समस्याओं का समयबद्ध तरीके से निराकरण करें। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर डॉ बबिता राठौर एवं सिटी मजिस्ट्रेट ब्रजेन्द्र सिंह रावत सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं, किया निराकरण

रायसेन। कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आएं नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई कर उनका निराकरण किया गया। उल्लेखनीय है कि 15 अक्टूबर 2024 मंगलवार को दरगाह शरीफ का 803-वॉ वार्षिक उत्सव उर्स को जिले में स्थानीय अवकाश था। अवकाश होने से मंगलवार को जनसुनवाई नहीं होने के उपरांत भी नागरिकों द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई हेतु पहुंचने पर कलेक्टर श्री अरविंद दुबे द्वारा नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई कर निराकरण किया गया। कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को मोबाइल पर निराकरण संबंधी आवश्यक निर्देश दिए गए।

कलेक्टर के निर्देशानुसार जांच दलों द्वारा फैक्ट्रियों तथा कारखानों का निरीक्षण

रायसेन। कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा जिले में संचालित विभिन्न फैक्ट्रियों तथा कारखानों के निरीक्षण हेतु जांच दल गठित कर सतत् निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर दुबे के निर्देशानुसार मंगलवार को जांच दल में शामिल नायब तहसीलदार विक्रम सिंह राजपूत, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी संदीप भार्गव सहित अन्य अधिकारियों ने ओद्योगिक क्षेत्र राजीव नगर स्थित सिवाय इंटरप्राइजेज, नीरकेम इंडस्ट्रीज यूनिट, शिवाय पॉलीमर, गिलहरी आर्गेनिक्स सहित अन्य फैक्ट्रियों तथा कारखानों का निरीक्षण कर वहां संचालित गतिविधियों का जायजा लिया। कलेक्टर दुबे ने जिले में स्थापित विभिन्न फैक्ट्रियों तथा कारखानों जो लम्बे समय से बंद हैं या जिनमें कोई संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दें या जिनमें नियमों का उल्लंघन हो रहा हो, उनकी जांच हेतु दल गठित किए गए हैं।

पर्यटन की ओर लोगो को आकर्षित करने नये-नये एडवेंचर किए जा रहे है...

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम जिले में एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत पर्यटन को चयनित किया गया है। नैसर्गिक सौन्दर्य के बीच नर्मदा के किनारे बसे नर्मदापुरम में धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ रोमांचक पर्यटन, प्राकृतिक पर्यटन, वन पर्यटन एवं अन्य पर्यटन की अपार संभावना है। पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने और विकास को लेकर मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग एवं स्थानीय जिला प्रशासन के द्वारा जिले को पर्यटन नक्शे में जोड़ने के लिये विभिन्न स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके लिए जिले में नए पर्यटन को विकसित किया जा रहा है साथ ही एडवेंचर गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। शहरी पर्यटन स्थलों पर होटल, टूर एंड ट्रैवल्स एवं अन्य पर्यटन से संबंधित व्यवसायों को बढ़ावा दिया जा रहा है एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों पर उनके विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को चलाया जा रहा है। ग्रामीणों के लिए होमस्टे के माध्यम से उनके रोजगार और व्यवसाय की योजनाएं जारी है। पर्यटन की ओर लोगो को आकर्षित करने नये नये एडवेंचर किए जा रहें है। पर्यटन सुविधाओं एवं सेवाओं के विस्तार के साथ ही अनुभव आधारित पर्यटन विकसित करने को लेकर भी जिला प्रशासन द्वारा कई परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत नर्मदापुरम जिला पर्यटन चयनित किया गया

साथ ही सतपुड़ा की वादियों में बस से नर्मदापुरम जिले में खासतौर से मुख्यालय पर ही कुछ खास स्थान ऐसे हैं जो विशेष हैं।(एक जिला - एक उत्पाद) से कम से कम एक उत्पाद का चयन, ब्रांडिंग और प्रचार किया जा रहा है ताकि सभी क्षेत्रों में समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास को सक्षम बनाया जा सके। लघु उद्योग के माध्यम से प्रवासी मजदूरों को शहर में ही रोजगार के अवसर मुहैया कराया जा रहा है। युवाओं को उन्ही के शहर में रोजगार मुहैया कराकर पलायन को रोका जा रहा है। एक जिला एक उत्पाद योजना के माध्यम से किसानों तथा कारीगरों को वित्तीय सहायता मुहैया कराई जा रही है जिससे उनके जीवनस्तर में सुधार हो रहा है। पर्यटन स्थलों पर महिला हेतु सुरक्षित पर्यटन उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण भी महिलाओं को दिए जा रहे हैं। महिलाओं को गाइड, आत्मरक्षा, जिप्सी ड्राइविंग, स्थानीय वस्तुओं के उत्पाद का प्रशिक्षण दिया जा रहे हैं इसी तारतम्य में नए पर्यटन के रूप में तिलक सेंदुर स्थल को विकसित करने के लिए उसका प्रस्ताव भी भेजा गया है एवं जिला मुख्यालय पर स्थित ऐतिहासिक, धार्मिक, स्थलों को भी विकसित किया जा रहा है। जिस पर जल्द ही सिटीवॉक के लिए तैयारियां जारी है। इस वर्ष अन्य वर्षों की अपेक्षा पर्यटकों की आवजाही में बढ़ोतरी भी हुई है। पचमढी और मढई जैसे पर्यटन स्थल पर रोमांचक साइकिल प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है। जिससे पर्यटकोंका रूझान नर्मदापुरम के पर्यटन क्षेत्र की ओर बढ रहा है।

मेट्रो एंकर

हम जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर लौटे , मिलेट्स को अपनाए

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है : विधानसभा अध्यक्ष

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ है लेकिन आज लोग कृषि के क्षेत्र को छोड़कर अन्य क्षेत्र में आजीविका कमाने में रुचि रखते हैं, लेकिन धीरे-धीरे यह ट्रेंड बदल रहा है। आज आईटी एक्सपर्ट युवा भी कृषि की ओर रुझान रख रहे हैं और उन्नत कृषि कर रहे हैं। उक्त बात मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने जिला स्तरीय मिलेट्स मेला एवं किसान संवाद कार्यक्रम में कहीं। इटारसी में आयोजित कार्यक्रम में सांसद दर्शन सिंह चौधरी, नर्मदापुरम विधायक डॉक्टर सीताशरण शर्मा, सिवनी मालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा, नगर पालिका नर्मदापुरम की अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव, भाजपा अध्यक्ष माधव दास अग्रवाल, मध्य प्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, उप संचालक कृषि जे.आर. हेडऊ, अन्य जनप्रतिनिधि गण, बड़ी संख्या में उपस्थित किसान, कृषि विभाग के अधिकारी गण उपस्थित रहे। जिला मिलेट्स मेला एवं किसान संवाद कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि किसान का पसीना और मेहनत अतुलनीय है, जितना पसीना किसान खेतों में बहाता है उतना कोई नहीं बहाता फिर भी वह देश की आवश्यकता को पूरा कर रहा है। श्री तोमर ने कहा कि जिस प्रकार सेना का जवान अपने कर्तव्य पालन के लिए अभिनंदनीय है इसी तरह हमारे देश का किसान भी अपने कर्तव्य पालन के लिए अभिनंदनीय हैं। श्री तोमर ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम सब जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर लौटे। मिलेट्स अर्थात मोटे अनाज जिसे श्री अन्न कहा जाता है उसकी खेती करें। श्री तोमर ने कहा कि 20 वर्ष में देश में एवं मध्य प्रदेश में किसानों ने जो पुरुषार्थ का कार्य किया उससे कृषि आमदनी

बढी है कृषि की ग्रोथ बढी है। मध्य प्रदेश के किसानों ने आज पंजाब एवं हरियाणा से ज्यादा गेहूं का उत्पादन कर मध्य प्रदेश का नाम देश में रोशन किया है। अब लोग कहते हैं की खेती देखनी हो तो मध्य प्रदेश जाकर देखो।

श्री तोमर ने कहा कि पूर्व की तुलना में वर्तमान में शासन की किसान कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं इससे खेती में आसानी हो रही है। मध्य प्रदेश में आज 46 लाख हेक्टेयर में सिंचाई की सुविधा किसानों को सीधे प्राप्त हो रही है। आने वाले समय में इसे बढ़ाकर 65 लाख हेक्टेयर में कर दिया जाएगा। इससे कृषि की ग्रोथ बढ़ेगी। वर्तमान में 29 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। शासन द्वारा सिंचाई एवं बिजली के क्षेत्र में दी गई सहूलियत से आज कृषि आमदनी में बढ़ोतरी देखी जा रही है, साथ ही कृषि वैज्ञानिक नए-नए अनुसंधान कर रहे हैं इससे भी खेती को अतुलनीय लाभ मिल रहा है। श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वामीनाथन आयोग की 201 सिफारिश में से 200 सिफारिश को मानकर इसे खेती में अपनाया। प्रधानमंत्री ने फसल बीमा योजना शुरू की, साथ ही किसान सम्मान निधि योजना भी शुरू की जिससे आज किसानों को प्रतिवर्ष 12 हजार रुपए की राशि की सम्मान निधि प्राप्त हो रही है। श्री तोमर ने कृषि विभाग के अधिकारियों, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों एवं जनप्रतिनिधियों से कहा कि वह दूरस्थ किसानों तक भी पहुंचे और उन्हें कृषि की उन्नत तकनीक से प्रशिक्षित करें। इसके पूर्व श्री तोमर ने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित मिलेट्स प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत पहले सोने की चिड़िया कहलाता था क्योंकि हमारे भारत देश का किसान आत्मनिर्भर था। आज की युवा पीढ़ी कृषि की ओर आकर्षित हो रही है। आईआईटी के बच्चे भी कृषि में रुचि ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कृषि मंत्री रहते हुए मिलेट्स अर्थात मोटे अनाज को बढ़ावा दिया था। श्री चौधरी ने कहा कि किसान भाई प्राकृतिक खेती शुरू करें। गौ माता को घर में ही रखकर उसकी देखभाल करें। श्री चौधरी ने कहा कि खेती में खतरनाक रसायनों का एवं डीएपी का उपयोग पूर्णतया बंद कर दें यह कैंसर का कारक है। सिवनी मालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा ने कहा कि नर्मदापुरम जिला कृषि प्रधान जिला है। यहां तवा नदी से सिंचाई होती है। जिले के किसान वर्ष में तीन फसल लेते हैं। मध्य प्रदेश के किसानों के कारण ही आज मध्य प्रदेश के किसानों ने गेहूं के उत्पादन में पंजाब को भी पीछे छोड़ दिया है। श्री वर्मा ने कहा कि अब समय आ गया है कि किसान मिलेट्स अर्थात मोटे अनाज की ओर जाएं और उसकी खेती करें। कार्यक्रम को संजय मिश्रा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को किसान का घोषणा पत्र सोपा गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दूर-दूर से आए किसान उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस सक्रिय, मंडी में किसानों की ट्रालियां व्यवस्थित लगाने की कवायद

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

हमारे संवाददाता के द्वारा मंगलवार के अंक में कृषि उपज मंडी में सीजन की आवक प्रारंभ होने के बाद भी यातायात व्यवस्था खराब होने की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद अधिकारियों खबर को संज्ञान में लेते हुए यातायात पुलिस को निर्देश दिए तो व्यवस्था में परिवर्तन भी नजर आया। मंगलवार को यातायात पुलिसकर्मी मंडी में किसानों की ट्रैक्टर ट्रालियों को व्यवस्थित रूप से निकलवाने में दिनभर लगें रहे साथ ही मंडी बाईपास रोड पर जाम के हालात निर्मित हो रहे थे। उसको भी ठीक करने में पुलिसकर्मी अपनी भूमिका निभाते हुए नजर आए शाम के समय एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने भी यातायात व्यवस्था देखने के लिए निकले दूसरी ओर कृषि उपज मंडी में डाक नीलामी के बाद जैसे ही किसानों की ट्रैक्टर ट्रालियां धर्म कांटे तोल करवाने के लिए निकलती है तो यहां पर व्यवस्थित रूप से वाहनों के आने-जाने का कम नहीं होने से जाम के हालात बन रहे हैं इसके अलावा मंडी बायपास मार्ग पर सड़कों के दोनों तरफ वाहनों को कहीं भी अवस्थित रूप से खड़ा कर दिया जाता है । इस वजह से ट्रैफिक व्यवस्था फेल हो जाती है उसको भी ठीक करने के लिए यातायात पुलिस कर्मियों को ध्यान देना होगा अभी खबर के बाद पुलिस कुर्मी जाम की स्थिति को दूर करने में लग रहे। इस समस्या के समाधान के लिए पहले अनाउंसमेंट करके जो कार्य यातायात पुलिस कर्मियों ने व्यापारियों को जिताया था तथा सड़कों के किनारो पर लापरवाही से वाहन रखने वालों को सूचित किया था इसके बाद कुछ दिन तो असर हुआ पर एक बार फिर वैसे ही हालत मार्ग पर देखने को मिलना है इसीलिए यातायत पुलिस को एक बार फिर मुहिम चला कर समझाएं देनी होगी नहीं मानने वालों पर चालान भी बनाने होंगे तभी इस मार्ग की व्यवस्था सुधरेगी नहीं तो सीजन में इसी तरह दिनभर जाम लगा रहेगा। क्योंकि कई वाहन चालक घंटे तक सड़कों दोनों तरफ खड़े करके चले जाते हैं। उनको एक बार फिर चेतावनी देकर हटवाने का का कार्य किया जाएगा तो जाम की स्थिति निर्मित नहीं होगी बायपास मार्ग नहीं बनने से अभी सभी वाहनों का प्रवेश यहीं से होता है इस वजह से दूसरे शहरों को जाने वाले वाहन चालकों को भी परेशानी होती है। एंबुलेंस से लेकर अधिकारियों जन प्रतिनिधियों के वाहन भी जाम में फंस जाते हैं ।इस समस्या के समाधान के लिए जब तक बायपास मार्ग नहीं बनेगा तब तक दूर नहीं होगी उसको बनने में अभी कई महीने और लगा सकते हैं जाता है । सीजन में जाम की समस्या को दूर करने के लिए एसडीएम के निर्देश पर मंगलवार को दिनभर यातायात पुलिस कर्मी व्यवस्था को ठीक करने में लग रहे इसी तरह दिवाली के त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए शहर के अंदर की भी यातायात व्यवस्था पर ध्यान देना होगा अभी वहां के हालात भी खराब हो रहा है। यातायात पुलिसकर्मियों के द्वारा मुख्य बाजार में ध्यान नहीं दिया जा रहा है। त्यौहार के समय वाहन चेकिंग काम करके यातायात व्यवस्था और जाम के हालात जहां-जहां बन रहे हैं, वहां पर ध्यान देना होगा। समय रहते ध्यान दे दिया तो काफी हद तक समस्या का समाधान हो जाएगा नहीं तो त्यौहार पर और भी ज्यादा स्थिति विकराल रूप ले लेगी।

मौसम ने फिर बदली करवट, किसानों की बढ़ी चिंताएं हुई हल्की बूंदाबांदी

सिरोंज। बिगत दो दिनों सेमौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है जहां सोमवार को दिन भर बादलों की लुका छुपी का दौर चलता दूसरी ओर मंगलवार को दोपहर के बाद आसमान पर काले बादल पूरी तरह छा गए थे। इसके बाद हल्की बूंदाबांदी का दौर भी प्रारंभ हो गया कुछ देर तक हल्की बारिश भी हुई वही इस समय कई किसानों की फसले अभी खेतों में पककर तैयार हो गई उनकी कटाई का दौर चल रहा है बारिश होने पर उनकी चिंताएं बढ़ गई दूसरी ओर कुछ किसानों को इस समय बारिश होने पर फायदा भी हो सकता है। वहीं कई किसानों का कहना है की फसलों की कटाई पूरी तरह से नहीं हुए खेतों में गीलापन होने से वैसे ही प्रवेश नहीं कर पा रहे हैं । बारिश होती है तो फसल भी प्रभावित होगी खेतों की जुताई भी नहीं कर पाएंगे अभी कुछ दिन और बारिश ना हो जिससे कि हम लोग अपनी फसले भी निकालना और खेतों की जुताई भी कर दे उसके बाद बारिश होगी तो हमें भी फायदा होगा हल्की बारिश होने से मौसम जरूर सुहाना हो गया गर्मी से राहत मिल गई।

शरद पूर्णिमा के उपलक्ष में हो रही है रामलीला

सिरोंज। शरद पूर्णिमा की तैयारी है नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में जोर-षोर से की जा रही है। ग्राम मुगलसराय में शरद पूर्णिमा के उपलक्ष में पूर्व सरपंच वीरेंद्र पालीवाल के द्वारा रामलीला का आयोजन कराया जा रहा है।। इसमें वाहर के कलाकारों के द्वारा रामलीला का मंचन किया जा रहा है रामलीला को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण जन सम्मिलित हो रहे हैं । कलाकारों के द्वारा मनमोहन तरीके से रामलीला का मंचन किया जा रहा है।इस दौरान भगवान के स्वरूपों देखते ही बनते है यहां पर रात्रि में रामलीला होती है इस दौरान कलाकारों के द्वारा एक से बढ़कर एक प्रसंग का मंचन किया जा रहा है। श्री पालीवाल ने बताया कि शरद पूर्णिमा के दिन रामलीला का समापन होगा इस लक्ष्य में महाप्रसादी का वितरण भी किया जाएगा।

खाद लेने के लिए दुकानों पर लग रही है भीड़, अधिकांश दुकानदार वसूल रहे हैं अधिक राशि

सिरोंज। रवि फसल की बोनी के लिए किसानों को खाद की आवश्यकता हो रही है हर बार डीएपी खाद्य पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पाता है ।इस बार भी उसी तरह के हालात बनते हुए नजर आ रहे हैं डीएपी का तो मिल ही नहीं रहा है , एनपीए खाद्य दिया जा रहा है । वह खाद भी अधिकांश सोसाइटी में पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं होने से गोदाम पर खाद देने के लिए सुबह से ही किसानों की भीड़ जमा हो जाती है वहां से भी पर्याप्त खाद नहीं मिलने पर ज्यादातर किसानों को निजी दुकानों से महंगे दामों पर खाद लेने का काम भी करना पड़ रहा है ।इस वजह से ज्यादातर प्राइवेट दुकानदारों के यहां पर भी बड़ी संख्या में किसानों की भीड़ लग रही है । इस बात का फायदा कई दुकानदारों के द्वारा उठाकर किसानों के साथ अच्छा व्यवहार भी नहीं किया जाए कुछ दुकानदारों के द्वारा अधिक दामों पर खाद बेचने का काम भी किया इनकी जांच करने के लिए भी कृषि विभाग के जिम्मेदारी नहीं पहुंच रहे इस बात का फायदा उठाकर अधिकांश दुकानदारों के द्वारा किसानों को चूना लगाने का काम किया जा रहा है इस समय किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद्य उपलब्ध करवाने के लिए जिम्मेदार विभाग के अधिकारियों को धरातल पर काम करना चाहिए था।

नवागत पुलिस अधीक्षक से कलेक्टर ने की सौजन्य मुलाकात

सिरोंज। विदिशा नवागत पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने आज कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत कलेक्टर रौशन कुमार सिंह से उनके चेम्बर में पहुंचकर सौजन्य मुलाकात की है।

जनसुनवाई कार्यक्रम में 162 आवेदन प्राप्त हुए

विदिशा कलेक्टर सिंह द्वारा मौके पर 98 आवेदनों का निराकरण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा आहूत साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में अधिकांश आवेदनों का निराकरण हो रहा है। कलेक्टर स्वंय तमाम आवेदनों के निराकरणो की विभागवार पृथक-पृथक समीक्षा कर रहे है। जिसमें विगत जनसुनवाई के लंबित आवेदनों पर निराकरण की अद्यतन स्थिति से अधिकारी अवगत करा रहे हैं।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में खण्ड स्तरीय अधिकारी भी सीधे वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जुडे रहते है और आवेदको के आवेदनों से अवगत होकर निराकरण की पहल कर रहे है। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में 162 आवेदकों ने अपने आवेदन प्रस्तुत कर व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया है। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा मौके पर 98 आवेदनो का निराकरण किया गया है। कलेक्टेउट के भूतल कक्ष में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर, तहसीलदार समेत विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर श्री सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों में से लंबित आवेदनों पर समय सीमा में निराकरण कर जन आकांक्षा पोर्टल पर जानकारियां दर्ज कराने के निर्देश दिए है।

अनुकम्पा नियुक्ति - कलेक्टर श्री सिंह को जनसुनवाई कार्यक्रम में चार आवेदन अनुकम्पा नियुक्ति के प्राप्त हुए थे इन आवेदको से संवाद कर उन्होंने आश्वस्त कराया कि आगामी एक सप्ताह के भीतर रिक्त पदो अनुसार अनुकम्पा नियुक्ति के आदेश संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा जारी किए जाएंगे ततसंबंध में कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को भी निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी पांच दिवसो में सम्पूर्ण कार्यवाही पूर्ण कर अनुकम्पा नियुक्ति के आदेश जारी कराना सुनिश्चित करें।

स्वास्थ्य परीक्षण : कलेक्टर श्री सिंह ने जनसुनवाई कार्यक्रम में आवेदन देने वाले आवेदको के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए नवीन व्यवस्थाएं प्रारंभ कराई है। जनसुनवाई कक्ष के समीप चिकित्सको की टीम के द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के कार्यो का संपादन करते हुए मरीजो को निःशुल्क दवाईयां प्रदाय की गई है। पहले स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 142 नागरिको के रक्तचाप, डायबिटीज की जांच की गई है। वहीं 35 मरीजो के स्वास्थ्य का परीक्षण कर उन्हें रोगोपचार दवाईयां प्रदाय की गई है। स्वास्थ्य शिविर से लाभांवित होने वाले आवेदको का कहना है कि यहां आने पर हमारे इलाज के लिए भी कलेक्टर द्वारा व्यवस्था की गई है। ऐसी व्यवस्था हमने पहली बार देखी है।

पंजीयन व पावती : जनसुनवाई कार्यक्रम में आवेदन प्रस्तुत करने वाले आवेदको के आवेदनों की पावती देने और पंजीयन करने के अलग-अलग काउंटर भी संचालित किए गए थे। इन काउंटरो पर पहुंचकर आवेदको से आवेदन प्राप्ति के उपरांत उन्हें पावती देने और पंजीयन क्रमांक देने का कार्य किया जा रहा है ताकि आवेदको को इस बात का संज्ञान हो जाए कि हमने किस तारीख को आवेदन दिया और उसका क्रमांक कितना है एवं किस विभाग के द्वारा निराकरण कर जानकारी जन आकांक्षा पोर्टल पर दर्ज की जाएगी।

उपरोक्त काउंटरो के उपरांत आवेदको को यह जानकारी प्रदाय की जा रही है कि आपका आवेदन किस विभाग से संबंधित है एवं उस विभाग के अधिकारी जनसुनवाई कक्ष में कहां बैठे है उन तक पहुंचाने का कार्य सहायको के द्वारा किया जा रहा है विभागीय अधिकारी आवेदन प्राप्ति के उपरांत मूल्यांकन परीक्षण कर समस्या के निदान के संबंध में आवेदक को अवगत कराते है। ऐसी समस्या जिनका निराकरण जिला स्तर पर संभव नहीं है उसे राज्य स्तर पर उल्लेखित कारणो सहित विभाग प्रमुख को जिलाधिकारी के द्वारा प्रेषित करने की कार्यवाही क्रियान्वित करते हुए आवेदक को सम्पूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराया जा रहा है। ऐसे आवेदन जिनका निराकरण कलेक्टर के माध्यम से संभव है उन आवेदनों को आवेदको सहित कलेक्टर के समक्ष बैठने की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाती है ताकि आवेदक स्वंय कुर्सी पर बैठकर कलेक्टर को अपनी समस्याओं से अवगत करा सकें। इस दौरान अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों से भी संवाद कर समस्याओं की मूल स्थिति से अवगत हो रहे है।

निराकरण की समीक्षा : कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा हरेक जनसुनवाई कार्यक्रम में प्राप्त होने वाले आवेदनों के निराकरण की विशेष मॉनिटरिंग व्यवस्था क्रियान्वित की जा रही है ऐसे आवेदन जिनका निराकरण मौके पर संभव नहीं हुआ है। उन आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभागो के अधिकारियों द्वारा एक सप्ताह की अवधि में क्या कार्यवाही की गई है से निराकरण समीक्षा दौरान अवगत कराया जा रहा है। जनसुनवाई कक्ष में भी आयोजित उपरोक्त समीक्षात्मक बैठक सम्पूर्ण जनसुनवाई कार्यक्रम समाप्ति के उपरांत आयोजित की जाती है जिसमें समस्त विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहते है साथ ही साथ खण्ड स्तरीय अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संवाद कर निराकरण की वस्तुस्थिति से अवगत हो रहे है।

चलित खाद्य प्रयोगशाला से सिरोंज स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों के नमूने एकत्रित कर जांच की गई

सिरोंज। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के संभागीय कार्यालय भोपाल द्वारा भेजी गई चलित खाद्य प्रयोगशाला के द्वारा आज सिरोंज स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों से नमूना संग्रहित करने की कार्यवाही की गई है। उक्त खाद्य चलित प्रयोगशाला के केमिस्ट्री अभिषेक तिवारी द्वारा सिरोंज की खाद्य पदार्थ विक्रय करने वाली दुकानों से नमूनों को एकत्रित कर जांच की गई है। कार्रवाई के दौरान नगर में स्थित विभिन्न दुकानों का निरीक्षण कर चलित प्रयोगशाला से जांच हेतु नमूने लिए गए हैं। इस दौरान स्थानीय खाद्य सुरक्षा प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे।

पटाखा विक्रय स्थलों का निरीक्षण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि पटाखा विक्रेता की दुकान स्थलों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन जिला कार्यालय को उपलब्ध कराएं। गौरतलब हो कि पटाखा विक्रय हेतु अस्थायी लायसेंस जारी करने हेतु ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर नियत की गई है।

अपर कलेक्टर श्री डामोर के द्वारा जारी किए गए निर्देशो के परिपालन में विदिशा शहरी तहसीलदार डॉ अमित सिंह ने आज पूर्व वर्षो की भांति इस वर्ष पटाखा विक्रय की दुकानो के लिए चिन्हित श्री रामलीला मेला परिसर में भ्रमण कर जायजा लिया है। उन्होंने बताया कि गतवर्ष 225 दुकानो के लिए लायसेंस जारी किए गए थे इस वर्ष भी अधिकतम इतनी ही दुकानो के लिए लायसें जारी किए जाएंगे। उन्होंने दुकानो के आवंटन हेतु भूमि, सुरक्षा के संबंध में क्रियान्वित की जाने वाली कार्यवाहियों हेतु नगरपालिका सहित अन्य विभागो के अधिकारियों को निर्देशित किया है। इसी प्रकार अन्य तहसीलो में भी संबंधित तहसीदार के द्वारा कार्यवाही कर प्रतिवेदन जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने की प्रक्रिया क्रियान्वित की गई है।

मेट्रो एंकर | निशा और दीप्ती ने परिश्रम और कड़ी मेहनत से किया अपने सपने को पूरा, परिवार का नाम किया रोशन

किसानों की बेटियों का हुआ नेवी में सिलेक्शन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

19 वर्षीय निशा ने नेवी (जलसेना) में चयनित होकर परिवार का नाम रौशन किया। विदिशा जिले के शासकीय स्कूल, कॉलेज और पोस्ट मैट्रिक छात्रावास में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर किसान की बेटी सुश्री निशा लोधी ने नेवी (जल सेना) में चयनित होकर परिवार का नाम रोशन कर दिखाया है। 19 वर्षीय निशा लोधी वैसे तो रायसेन जिले के टीलाखुर्द गांव की रहने वाली हैं। परंतु गांव से विदिशा जिले की दूरी पास होने पर उन्होंने विदिशा के अहमदपुर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद शासकीय गर्ल्स कॉलेज में एडमिशन लिया और हॉस्टल में रहकर बीएससी फर्स्ट ईयर की पढ़ाई प्रारंभ की थी। इसी बीच उन्होंने नेवी की परीक्षा दी और चयनित होकर अपना ही नहीं बल्कि अपने किसान परिवार का सपना पूरा किया है। सुश्री निशा लोधी के पिता श्री हरि नारायण लोधी खेती किसानी करते हैं। सुश्री निशा लोधी ने

पहले भी 12वीं कक्षा में 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परचम लहराया था।

ग्राम खुर्द बाढ़ेर की कुमारी दीप्ती लोधी के जीवन की महत्वाकांक्षा पूर्ति में प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष रूप से छात्रावास से हुई मदद को जीवन भर भुला नहीं पाएंगी। यह कहना है

सफलता हासिल करने वाली गांव की बेटी कुमारी निशा का, अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग की विवेकानन्द चौराहा के समीप संचालित छात्रावास में दाखिला लेने वाली कुमारी दीप्ती लोधी का कहना है कि गांव से शहर में उच्च पढ़ाई करने में अनेकों दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, मानसिक पीड़ाओं को शासन की छात्रावास योजना सुविधा ने मिनटों में हल कर दिया।

यहां रहकर जो आत्म विश्वास जागा उसका परिणाम है कि मैंने अपना लक्ष्य सुगमतापूर्वक हासिल कर लिया है। कुमारी दीप्ति लोधी का कहना है कि गांवों में बालिकाओं की उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए बड़े शहरों जैसी सुविधाएं व मानसिकता अभी पूरी तरह बदली नहीं है ऐसी परिस्थितियों में शहर में शासन द्वारा मिली सुविधाओं के बलवूते पर शासकीय कन्या महाविद्यालय विदिशा में अध्यनरत बीएससी फर्स्ट ईयर की छात्रा कुमारी दीप्ति लोधी नेवी (जल सेना) में चयनित हुई हैं। वर्तमान में वह उड़ीसा के भुवनेश्वर में ट्रेनिंग की हैं नेवी में चयनित होकर उन्होंने अपने परिवार और गांव का नाम रोशन किया है। दीप्ति लोधी शुरू से ही होशियार और मेहनती छात्रा थीं। उन्होंने कक्षा 12वीं में भी 80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परिवार को गौरवान्वित किया था।

लार्वा सर्वे अभियान ग्राम ढिमरोली में 256 घरों में सर्वे किया गया

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में मलेरिया विभाग के द्वारा डोर-टू-डोर सम्पर्क कर लार्वा सर्वे अभियान के उद्धेश्यों की प्राप्ति की जा रही है। मलेरिया विभाग के द्वारा अभियान तहत अब तक 16377 घरों का लार्वा सर्वे। मलेरिया की जांचों की संख्या 147708 पॉजिटिव मरीजो की संख्या शून्य है। जिला मलेरिया अधिकारी विदिशा के नेतृत्व में कार्यालय की काम्बेट टीम द्वारा डेंगू की प्रतिबंधात्मक कार्यवाही विदिशा शहर के टीलाखेड़ी, करैयाखेड़ा, पूरनपुरा, मुखर्जीनगर, राजपूत कालोनी, बालकदास की तलैया, सिरोंज ब्लॉक के ग्राम ढिमरोली में 256 घरों में लार्वा सर्वे किया गया। 16 घरों में लार्वा पाया गया। टीम के द्वारा लार्वा विनिष्टिकरण की कार्यवाही की गई। उपरोक्त गतिविधि के अंतर्गत कीटनाशक दवा का छिड़काव फॉगिंग कार्य किया गया तथा डेंगू से बचाव संबंधी स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से जनसमुदाय को बताया गया कि वह अपने घर एवं घर के आस.पास में पानी एकत्रित न होने दे टायर, गमले, कूलर, पानी टंकी की नित्य सफाई करे तथा मच्छरदानी का उपयोग करे व फुल अस्तीन के कपड़े पहने व मच्छर पनपने न दे।

पेरिस ओलंपिक के बाद आर्कटिक ओपन में उतरीं और पहले दौर में हारीं

02 पदक ओलंपिक में जीते 2016 और 2020 में

2024 एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली टीम का हिस्सा रहीं

स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू का खराब दौर खत्म नहीं हो रहा है। पेरिस ओलंपिक में खराब प्रदर्शन के बाद पीवी सिंधू पिछले सप्ताह आर्कटिक ओपन में उतरीं थी लेकिन पहले दौर में ही वह बाहर हो गईं। सिंधू अब डेनमार्क ओपन में भाग लेने के लिए तैयारी कर रही हैं। सिंधू पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव है क्योंकि वह पिछले लंबे समय से कोई बड़ा एकल खिताब नहीं जीती हैं, लेकिन सवाल यह है कि आखिर सिंधू के प्रदर्शन में गिरावट की वजह क्या है और क्या वह भविष्य में इससे उबर कर वापसी कर पाएंगी?

बढ़ती उम्र और इंजुरी से पार पाना पीवी सिंधू के लिए बड़ी चुनौती

ओडेंसे (डेनमार्क). एजेंसी

पूर्व दिग्गजों की मानें तो बढ़ती उम्र और लगातार चोटिल होना सिंधू के खराब प्रदर्शन की वजह है। सिंधू की उम्र 29 साल है और ऐसे में खिलाड़ी की कोर्ट पर मूवमेंट धीमी हो जाती है। वहीं, चोट से उबरकर वापसी करना भी उनके लिए आसान नहीं रहा। चोटिल होने से सिंधू की फिटनेस काफी प्रभावित इसके अलावा, चीन, दक्षिण कोरिया और मलेशिया की नई खिलाड़ियों के आने से भी मुश्किलें बढ़ीं।

फिटनेस हुई खराब, मूवमेंट धीमा

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू 2022 कॉमनवेल्थ खेलों के बाद से कोई बड़ा एकल खिताब नहीं जीत सकी हैं और उनके खेल में भी काफी गिरावट आई है।

सिंधू दूसरे दौर में, लक्ष्य-मालविका पहले राउंड में बाहर

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय महिला शटलर पीवी सिंधू ने यहां खेले जा रहे डेनमार्क ओपन के दूसरे राउंड में जगह बना ली है। हालांकि मालविका बंसोड़ और पुरुष एकल में लक्ष्य सेन हार गए। पीवी सिंधू का मुकाबला चीनी ताइपे की पेइ यू पो से था, लेकिन दूसरे गेम के दौरान ताइपे की खिलाड़ी चोटिल हो गई और मैच से हट गई। उस समय सिंधू 21-8, 13-7 से आगे थीं। लक्ष्य सेन को पुरुष एकल के पहले दौर में चीन के ल्यू गुयांग झू के हाथों 21-12, 19-21, 14-21 से हार झेलनी पड़ी। वहीं, महिला एकल में मालविका को वियतनाम की निगुएन थ्यू के खिलाफ 13-21, 12-21 से हार मिली। वहीं, महिला युगल में रुतुपर्णा और स्वेतापर्णा की जोड़ी हार गई।

भारत-न्यूजीलैंड सीरीज में यदि 3-0 से जीते तो फाइनल कन्फर्म

...लेकिन एक भी मैच ड्रॉ हुआ तो ऑस्ट्रेलिया में जीतना पड़ेगा

नईदिल्ली. एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 टेस्ट की सीरीज आज से शुरू हो रही है। पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा, लेकिन बारिश की वजह से मैच शुरू नहीं हो सका। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिहाज से दोनों ही टीमों के लिए अहम है। भारत ने अगर 3-0 से जीत हासिल की तो टीम का फाइनल कन्फर्म हो जाएगा। हालांकि, बारिश के कारण पहला टेस्ट ड्रॉ रहा तो भारत को फिर ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जीतना पड़ेगा। टेबल में टॉप पर है भारत बांग्लादेश को घर में 2-0 से टेस्ट सीरीज हराने के बाद टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर कायम है। टीम ने 2023 के डब्ल्यूटीसी फाइनल में एक भी टेस्ट सीरीज नहीं गंवाई। भारत को साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ 1-1 मैच में हार मिली, जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ एक मैच बारिश के कारण ड्रॉ रहा। इनके अलावा भारत ने सभी 8 मैच जीते।

बारिश के कारण टेस्ट शुरू होने में देरी

बारिश के कारण भारत-न्यूजीलैंड पहला टेस्ट शुरू होने में देरी हो रही है। दोपहर 12 बजे तक मैच शुरू नहीं हो सका था। बेंगलुरु में सुबह से रुक-रुककर पानी गिर रहा है। पहला सेशन धुलने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि 3-0 से जीते तो टॉप पर बना रहेगा भारत टीम इंडिया के घरेलू कंडीशन में फॉर्म को देखते हुए लगता है कि सीरीज में न्यूजीलैंड के लिए एक भी मैच ड्रॉ करा पाना मुशिकल होगा। हालांकि, बेंगलुरु में बारिश को देखते हुए पहला टेस्ट कम्प्लीट हो पाना मुश्किल नजर आ रहा है। भारत को फाइनल खेलने के लिए 60 फीसदी ज्यादा पॉइंट्स रखने ही होंगे। जानते हैं सीरीज के नतीजों से भारत के पॉइंट्स पर क्या असर होगा? भारत की आखिरी सीरीज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ न्यूजीलैंड के बाद टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट की मुश्किल सीरीज खेलनी है। भारत ने यहां पिछली 2 टेस्ट जीती जरूर है, लेकिन तब कप्तान विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे थे। अब रहाणे स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं और कोहली कप्तानी छोड़ चुके हैं। वहीं रोहित शर्मा ने अब तक स्थ्रह्व देशों में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। ऐसे में भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया में जीत पाना अब मुश्किल नजर आ रहा है। छठे नंबर पर है न्यूजीलैंड 2021 में भारत को ही फाइनल हराकर डब्ल्यूटीसी का खिताब जीतने वाली न्यूजीलैंड टीम पॉइंट्स टेबल में छठे नंबर पर है। टीम को ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ पिछली 2 टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी। टीम साउथ अफ्रीका को ही 2-0 से सीरीज हरा सकी। बांग्लादेश में 2 टेस्ट की सीरीज भी टीम ने 1-1 से ड्रॉ कराई। अब न्यूजीलैंड के सामने भारत के घरेलू मैदान पर 3 टेस्ट की सीरीज की बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान-इंग्लैंड टेस्ट का दूसरा दिन, स्कोर 259/5

कामरान व सईम की पारियों से संभला

मुल्तान. एजेंसी

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मुल्तान में खेला जा रहा है। बुधवार को मैच के दूसरे दिन का खेल खेला जाएगा। पहले दिन पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने स्टंप्स तक 5 विकेट पर 259 रन बनाए। आगा सलमान और मोहम्मद रिजवान नाबाद लौटे। कामरान गुलाम (118) ने शतक और सईम अयूब (77) ने अर्धशतक लगाया। इंग्लैंड ने पहला मुकाबला पारी और 47 रन से जीता था। टीम तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। तीसरा मुकाबला 24 अक्टूबर से रावलपिंडी में खेला जाएगा। पाकिस्तान की खराब शुरुआत पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 15 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया। अब्दुल्ला शफीक 7 रन बनाकर आउट हुए। दूसरा झटका 19 रन पर लगा। कप्तान शान मसूद 3 रन बनाकर आउट हुए। दोनों विकेट जैक लीच ने लिए। यहां से कामरान गुलाम और सईम अयूब ने पाक की पारी को संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 149 रन की साझेदारी हुई। यह साझेदारी सईम के विकेट के साथ टूटी। सईम ने 77 रन बनाए। इसके बाद सऊद शकील 4 रन बनाकर आउट हुए। दिन का आखिरी विकेट कामरान के रूप में गिरा। उन्होंने 224 बॉल पर 118 रन की पारी खेली। पाकिस्तान पहला मैच पारी और 47 रन से हारा टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार कोई टीम 500 से ज्यादा रन बनाने के बाद भी मैच हार गई।

बीसीसीआई ने मुश्ताक अली ट्रॉफी से इम्पैक्ट प्लेयर नियम हटाया

मुंबई. एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 से इम्पैक्ट प्लेयर नियम हटा दिया है। इतना ही नहीं, एक ओवर में 2 बाउंसर के नियम को जारी रखा है। बीसीसीआई ने स्टेट यूनिट्स को इसकी जानकारी दी है। ये दोनों नियम आईपीएल और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में लागू थे। 2 बाउंसर का नियम पिछले साल लाया गया था, जबकि इम्पैक्ट प्लेयर नियम की शुरुआत 2023 से हुई थी। हालांकि, इंटरनेशनल क्रिकेट में दोनों ही नियमों का इस्तेमाल नहीं हो रहा है। मुश्ताक अली ट्रॉफी का आगामी सीजन 23 नवंबर से शुरू हो रहा है, जो 15 दिसंबर तक चलेगा।

टी-20 मैच में श्रीलंका ने विंडीज को 73 रन से हराया

दांबुला. एजेंसी

मेजबान श्रीलंका ने दूसरे पुरुष टी-20 मैच में वेस्टइंडीज को 73 रन से शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 5 विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में विंडीज टीम 16.1 ओवर में सिर्फ 89 रन बनाकर सिमट गई। श्रीलंका की ओर से दुनिथ वेलारगे ने तीन विकेट चटकाए। वहीं, प्लेयर ऑफ द मैच बने श्रीलंकाई बल्लेबाज पाथुन निशांका ने 49 गेंदों में नौ चौकों और एक छक्के के साथ 54 रन की पारी खेली।

मेट्रो बाजार

लोकल बिजनेस को मिलेगा बूस्ट 70 करोड़ ग्राहक करेंगे खरीदारी

नई दिल्ली. एजेंसी

त्योहारों को ऐसे ही नहीं भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना गया है। हर साल त्योहारी सीजन में लाखों करोड़ रुपए का कारोबार होता है। व्यापारियों के संगठन कैट का अनुमान है कि इस साल त्योहारी सीजन में 4.25 लाख करोड़ रुपए का कारोबार होने की उम्मीद है। पिछले साल यह आंकड़ा करीब 3.50 लाख करोड़ रुपए था। त्योहारी सीजन के बाद शादियों का सीजन शुरू होगा, इस दौरान भी देशभर के व्यापारियों को भी कारोबार में वृद्धि की उम्मीद है। कैट के महासचिव ने कहा, त्योहारी सीजन के दौरान करीब 70 करोड़ ग्राहक खरीदारी के लिए बाजारों में आते हैं। वहीं हाल ही में लोकल सर्किल्स ने अपने सर्वे में कहा था कि 70त्न लोग इस बार स्थानीय दुकानों और ऑफलाइन स्टोर्स से खरीदारी के मूड में हैं। त्योहारी सीजन में सभी क्षेत्रों में बिक्री बढ़ेगी। लेकिन उपहारों, मिठाइयों, सूखे मेवों, इलेक्ट्रॉनिक्स-मोबाइल, ऑटोमोबाइल, कपड़े, आभूषण, बर्तन, क्रॉकरी, फर्नीचर, घर की सजावट, रसोई के उपकरण, बिजली सामान, फल, फूल, पूजा सामग्री की मांग बढ़ेगी। ऑफलाइन व रिटेल स्टोर्स को प्राथमिकता इस त्योहारी सीजन छोटे-बड़े शहरों के अधिकांश लोग ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के बजाय ऑफलाइन और रिटेल स्टोर्स से साथ स्थानीय दुकानों से खरीदारी करने तो तैयार हैं। लोकल सर्किल्स के मुताबिक, 70त्न भारतीय इस त्योहारी सीजन ऑफलाइन खरीदारी करने की तैयारी में हैं। केवल 13त्न लोग ही खरीदारी के लिए पूरी तरह ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर निर्भर हैं। सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, इस त्योहारी सीजन में हर 2 में से 1 व्यक्ति यानी 50त्न लोग 10,000 रुपए से ज्यादा खर्च करने को तैयार हैं, जिससे लोकल बिजनेस को बूस्ट की उम्मीद है।

चीन का राहत पैकेज भारतीय मेटल स्टॉक्स के लिए बन रहा वरदान, स्टील सेक्टर को होगा फायदा

मुंबई. एजेंसी

चीन ने अपनी कमजोर होती अर्थव्यवस्था और डूबते रियल एस्टेट सेक्टर को बूस्ट देने के लिए शनिवार को फिस्कल स्टीमुलस यानी राहत पैकेज की घोषणा की लेकिन यह पैकेज कितना बड़ा होगा इसका कोई खुलासा नहीं किया। विदेशी निवेशकों की बिकवाली सुस्त पड़ने और आइटी-बैंकिंग शेयरों में तेजी से भारतीय शेयर बाजार में भी तेजी आई। भारत में भी बढ़ेगी स्टील की कीमतें सेंट्रम ब्रोकिंग के रिसर्च एनालिस्ट कुणाल कोठारी ने कहा, चीन में घोषित प्रोत्साहन योजनाएं भारत में मेटल सेक्टर पर सकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्टील की कीमतें महीने के अपने न्यूनतम स्तर से 15त्न बढ़ चुकी हैं। पिछले दो हफ्तों में ही स्टील की कीमतों में लगभग 1000 रुपए से 1500 रुपए प्रति टन की वृद्धि हुई है। भारत में भी स्टील की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, चीनी सरकार के राहत पैकेज से भारत में आयरन ओर माइनिंग करने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी की उम्मीद है। भारत से लोहा और स्टील बड़ी मात्रा में चीन को एक्सपोर्ट किया जाता है। भारत चीन को अधिकतर कच्चा माल या सेकंडरी माल का एक्सपोर्ट करता है, वहीं चीन इसके प्रोडक्ट बनाकर बेचता है। इसीलिए चीन की अर्थव्यवस्था को लेकर होने वाला फैसला भारत के स्टील सेक्टर पर सीधा असर डालता है। विशेषज्ञों ने कहा, चीन ने अभी किसी बड़े पैकेज का ऐलान नहीं किया है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

शुरुआती दिनों में काफी पतली दिखा करती थीं हेमा मालिनी नहीं मिलता था फिल्मों में काम

आज बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी का 76वां जन्मदिन है। हेमा भारतीय अभिनेत्री होने के साथ ही लेखिका, फिल्म निर्देशक, नृत्यांगना और राजनेता हैं। हेमा ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत राज कपूर के साथ फिल्म सपनों का सौदागर से की थी। हेमा 'ड्रीमगर्ल' नाम से प्रसिद्ध हैं। 1981 में हेमा ने अभिनेता धर्मेन्द्र से विवाह किया था। आज इस खास मौके पर जानिए हेमा से जुड़ी कई दिलचस्प बातें। दरअसल, बचपन में रिजेक्शन झेलने के बाद हेमा ने डांस सीखा था और डांस के दम पर ही हेमा ने अपना करियर खड़ा किया है। हेमा हिंदी सिनेमा की बेहद सुंदर और उम्दा अभिनेत्री हैं, जिन्होंने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन किया है। आज भी दर्शक उनकी कई सुपरहिट फिल्में देखना पसंद करते हैं। बॉलीवुड ड्रीम गर्ल हेमा भले ही बड़े पर्दे पर अब कम नजर आती हैं, लेकिन उनकी नेटवर्थ जानकर आपके होश जरूर उड़ जाएंगे। हेमा आज भी किसी ना किसी वजह से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं।

आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल की 'लव एंड वॉर' फिल्म टली

फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग किन्हीं कारणों की वजह से टल गई है, जिसकी वजह से अब आलिया भट्ट, विक्की कौशल और रणबीर कपूर के प्रशंसक बेहद निराश हो गए हैं, क्योंकि ऐसा पहली बार होगा, जब आलिया-रणबीर और विक्की एक ही फिल्म में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म में आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। दरअसल, मुंबई में हुई तेज बारिश की वजह से फिल्म का सेट क्षतिग्रस्त हो गया, जिसकी वजर से फिल्म की शूटिंग टाल दी गई है होने के कारण देरी का सामना कर रही है। अपनी शानदार फिल्मों के लिए मशहूर भंसाली की इस फिल्म का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन मुंबई में हुई भारी बारिश के कारण फिल्म की शूटिंग में कई रुकावटें आन खड़ी हुई हैं, जिस वजह से शूटिंग टाल दी गई है। इस जानकारी से आलिया, विक्की और रणबीर के फैंस बेहद निराश हो गए हैं। लव एंड वॉर की शूटिंग को लगभग दो महीने के लिए टाल दिया गया है। क्रू को पहले सितंबर 2024 में फिल्मांकन शुरू करना था, लेकिन मुंबई में भारी बारिश ने फिल्म के सेट को काफी नुकसान पहुंचा है।

• पहली मुलाकात हुई, दोस्ती प्यार में बदली

'टशन' के सेट पर करीना को दिल दे बैठे थे सैफ, जाने दोनों की प्रेम कहानी

बॉलीवुड की चर्चित जोड़ियों में से एक करीना कपूर खान और सैफ अली खान अपनी वेडिंग एनीवर्सरी मना रहे हैं। करीना और सैफ अली खान को अक्सर एक दूसरे के बारे में बात करते देखा जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे शुरू हुई थी दोनों की प्रेम कहानी। अभिनेता करीना कपूर खान और अभिनेता सैफ अली खान की जोड़ी को उनके प्रशंसक बहुत पसंद करते हैं। चर्चित जोड़ी ने 16 अक्तूबर, 2012 में शादी की थी। करीना और सैफ ने एक दूसरे को पांच साल डेट करने के बाद घर बसाने का फैसला किया था। आज यानी 16 अक्तूबर को उनकी वेडिंग एनिवर्सरी पर हम आपको बताएंगे कि कैसे दोनों की पहली मुलाकात हुई, दोस्ती प्यार में बदली और फिर दोनों ने शादी करने का फैसला किया। सैफ अली खान और करीना कपूर अलग धर्म से हैं। दोनों की उम्र में भी 10 सालों का अंतर है। सैफ और करीना की मुलाकात पहली बार 'टशन' फिल्म के सेट पर हुई थी। शूटिंग के दौरान सैफ अली खान को करीना कपूर से प्यार हो गया था। टशन की शूटिंग के दौरान ही दोनों ने एक दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था।

• फैंस फिल्म को लेकर ज्यादा उत्साहित...

देवी श्री प्रसाद बोले फिल्म 'पुष्पा 2' पहले भाग से दस गुना बड़ी होगी

अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म पुष्पा 2 को लेकर फैंस के बीच काफी उत्सुकता है। इस बीच संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने खुलासा करते हुए बताया है कि पुष्पा 2 काफी मनोरंजक होगी, जो अपने पहले भाग से दस गुना ज्यादा बड़ी होने वाली है। अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म पुष्पा 2, इस साल की बहुप्रतीक्षित और बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। अल्लू अर्जुन इस वक्त साउथ के ही नहीं, बल्कि देश भर में एक लोकप्रिय नाम हैं। उनकी पिछली रिलीज फिल्म पुष्पा से उनकी लोकप्रियता में काफी इजाफा हुआ था। अब इसके अगले भाग को लेकर वह काफी चर्चा बटोर रहे हैं। फैंस उनकी इस फिल्म को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित हैं और वो फिल्म से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारियों पर नजर गड़ाए रहते हैं। अब साउथ के मशहूर और लोकप्रिय संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने भी फिल्म को लेकर खुलासा करते हुए जानकारी साझा की है। 'पुष्पा' की सफलता में इसके गाने और संगीत का भी एक अहम योगदान है। फिल्म का गाने काफी ज्यादा पसंद किए गए थे।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मैनेजरों से की चर्चा

कोलार पुलिस ने चैक किए 24 बैंक और 32 एटीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार थाना पुलिस ने मंगलवार को इलाके के 24 बैंक और 32 एटीएम समेत अन्य वित्तीय संस्थानों की चैकिंग की। इस दौरान बैंकों के मैनेजर तथा सिक्योरिटी गार्डों से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बातचीत की गई। इसके साथ ही बैंकों के अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरों की उचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी के नेतृत्व में पुलिस की तीन टीमें बनाई गई थी।

पहले टीम में एसआई पप्पू कटियार, एएसआई सुनील त्रिपाठी, हेड कांस्टेबल अनुरोध सिंह राजपूत, दूसरी टीम में एसआई कमलेंद्र चौबे, एएसआई संतोष कुमार, हेड कांस्टेबल मुद्रिका प्रसाद दुबे और तीसरी टीम में एसआई जितेंद्र केवट, एएसआई राजेंद्र केन और हेड कांस्टेबल मनीष यादव को शामिल किया गया। तीनों टीमों ने इलाके के बैंक और एटीएम बूथ जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान कुल 24 बैंक, 32 एटीएम बूथ और बैंक चेस्ट चैक किए। बैंकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की चैकिंग की तथा आपात स्थिति में बजने वाले हूटर को भी चलाकर देखा गया। बैंक मैनजरों से चर्चा कर सुरक्षा के सभी प्रकार के उपाय करने के लिए निर्देशित किया गया। चैकिंग के दौरान किसी भी संस्थान में कोई संदिग्ध व्यक्ति नहीं मिला।

तकनीकी शिक्षा के ऑडिटर के घर लोकायुक्त का छापा

▶▶ तकनीकी शिक्षा विभाग शिक्षा सचिवालय सतपुड़ा भवन भोपाल में जूनियर ऑडिटर पद पर पदस्थ रमेश हिंगोरानी के बंगले पर करवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल लोकायुक्त की टीम ने तकनीकी शिक्षा विभाग सतपुड़ा भवन में पदस्थ जूनियर ऑडिटर रमेश हिंगोरानी के बंगले पर छापामार कार्रवाई की। लोकायुक्त की टीम में गांधीनगर स्थित लक्ष्मी देवी विकयोमल सर्राफ हायर सेकेंडरी स्कूल एवं किरण प्रेरणा स्कूल भी पहुंची। भ्रष्टाचार से अर्जित करोड़ों रुपए रमेश हिंगोरानी परिवार द्वारा रियल एस्टेट मे इन्वेस्ट करने की जानकारी मिली थी। लोकायुक्त को हिंगोरानी परिवार के बैरागढ़ लक्ष्मण नगर बंगले पर क्रेटा व स्कॉर्पियो सहित 4 कार वाहन तथा 5 महंगे दुपहिया वाहन भी मिले।

डायमंड एवं गोल्ड ज्वेलरी भारी मात्रा में मिली है जांच जारी है। रमेश हिंगोरानी व उसके बेटे योगेश तथा निलेश पर गांधीनगर क्षेत्र में करोड़ों रुपए की सरकारी जमीन पर कब्जा कर उन्हें विक्रय करने के भी आरोप लगे थे। जानकारी के अनुसार सरकारी जमीन पर हिंगोरानी ने कब्जा कर शादी गार्डन बनाया था। जिसे 2 वर्ष पूर्व लोकायत के आदेश पर जिला प्रशासन ने तोड़ा था। रमेश हिंगोरानी व उसके बेटों ने सामाजिक संस्था लक्ष्मी देवी विकयोमल सराफा एजुकेशन सोसाइटी के तीन स्कूलों पर एकाधिकार व कब्जा कर रखा था। शासकीय कर्मचारी को लाभ के पद पर रहने का अधिकार नहीं। इसके बावजूद भी रमेश ने अपने दोनों बेटों को बगैर योग्यता के समिति के स्कूलों का संचालक बनाकर दे रहा है वेतन के रूप में मोटी राशि। उल्लेखनीय है की रमेश हिंगोरानी के बेटे मोहित हिंगोरानी पर भी पूर्व में दर्ज हो चुका है नाबालिक स्कूली बच्ची से दुष्कर्म का मामला।

पुलिस ने दर्ज किया शासकीय कार्य में बाधा का केस

महिला एसडीओ से भाजपा नेता ने की अभद्रता, कर्मचारियों को दी गालियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जल संसाधन विभाग में पदस्थ एक महिला एसडीओ और उनके कर्मचारियों के साथ भाजपा नेता द्वारा अभद्रता करने का मामला सामने आया है। एसडीओ ने कटारा हिल्स थाने पहुंचकर बीजेपी नेता के खिलाफ गाली-गलौज करने, धमकी देने और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का केस दर्ज करवाया है। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

जानकारी के अनुसार कटारा हिल्स में रहने वाली रव्यनीता एन जैन (30) अनुविभागीय अधिकारी, कलियासोत शीर्ष कार्य, उपसंभाग क्रमांक-1, जलसंसाधन विभाग में पदस्थ हैं। मंगलवार को वह अपने साईट कर्मचारियों ओमप्रकाश साहू और बृजवासी तिवारी के साथ डी-1 नाले की सफाई एवं अवैध नालों को बंद करवाने का काम कर रही थी। यह काम करवाते हुए वह रापड़िया सान्धा के पास पहुंची, तभी भाजपा नेता कामता पाटीदार अपने साथी को लेकर कार से पहुंचे। वह शासकीय कार्य करने से मना करने लगे और कर्मचारियों को धमकाने लगे। उन्होंने अवैध नाले को बंद कर रहे जेसीबी ड्रायवर राकेश के साथ गाली-गलौज करते हुए चाबी निकाल ली।

महिला अधिकारी ने जब उन्हें शासकीय कार्य में बाधा डालने से रोका तो उनके साथ भी उन्होंने अभद्रता करते हुए काम बंद करवा दिया। उसके बाद अधिकारी अपने कर्मचारियों को लेकर थाने पहुंची और कामता पाटीदार के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया। बताया जाता है कि इलाके में अवैध नालों के कारण डेम का पानी किसानों के खेतों में भर जाता है, जिससे फसल खराब हो जाती है। किसानों ने इसकी शिकायत सीएम हेल्प लाइन में की थी, जिसके बाद एसडीओ अवैध नालों को बंद करवाने पहुंची थी।

फर्जी प्रवेश पत्र लेकर आर्मी में भर्ती होने पहुंची युवती, मामला दर्ज

शाहजहांनाबाद पुलिस ने झारखंड की एक युवती के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि युवती फर्जी प्रवेश पत्र लेकर आर्मी में भर्ती होने के लिए पहुंची थी। इस मामले की शिकायत सुल्तानिया इन्फैंट्री लाईन शाहजहांनाबाद के तरफ से की गई थी। पुलिस के मुताबिक आर्मी में अधिकारी पदों पर भर्ती के लिए कुछ समय पहले परीक्षाएं आयोजित की गई थी। इन परीक्षाओं में पास होने वाले अभ्यर्थियों के डाक्यूमेंट वेरीफिकेशन काम चल रहा है। मंगलवार को रामगढ झारखंड निवासी रूपा भारती अपने डाक्यूमेंट लेकर सुल्तानिया इन्फैंट्री पहुंची थी। रूपा के प्रवेश पत्र पर जो रोल नंबर अंकित था, वहीं रोल नंबर पटना से आई दूसरी युवती के प्रवेश पत्र पर भी था। आर्मी अफसरों ने जब दोनों के प्रवेश पत्र चैक किए तो पटना से आई युवती का प्रवेश पत्र सही निकला, जबकि रूपा भारती का रोल नंबर उसके आधार कार्ड से मैच नहीं कर रहा था। पूछताछ के दौरान रूपा ने अधिकारियों को बताया कि उसे कोचिंग संस्थान वालों ने बताया था कि वह परीक्षा में पास हो गई है। उसके बाद उसने एडमटि कार्ड डाउनलोड किया था। गड़बड़ी सामने आने के बाद आर्मी अफसरों ने उसके खिलाफ थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस की एक टीम झारखंड जाकर मामले की जांच करेगी।

युवक की करंट से मौत

आयोग ने कलेक्टर-श्रम अधिकारी से मांगा जवाब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल सहित प्रदेश के पांच मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला भोपाल शहर के परवलिया सड़क थाना इलाके में मुबारकपुर के पास इलेक्ट्रिक सीमेंट-कंक्रीट मशीन से काम कर रहे एक युवक की करंट लगने से मृत्यु होने का है। मामले में संज्ञान आयोग ने कलेक्टर एवं जिला श्रम अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मृतक के उत्तराधिकारियों को शासन की योजना/ श्रम विधि के अंतर्गत आर्थिक मुआवजा राशि दिलवाये जाने के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

जेबकतरों की निकाली परेड

छतरपुर जिले के हरपालपुर थाना क्षेत्र में पुरानी गल्ला मंडी के पास चोरी करने वाले नाबालिग जेबकतरों के साथ अमानवीय व्यवहार किये जाने का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नाबालिग जेबकतरों को रस्सी से बांध कर चोरी करना पाप है कहते हुये नाबालिगों की लोगों ने परेड निकाली। नाबालिग जेबकतरों की परेड़ निकालते समय लोगों ने उनके साथ मारपीट कर अमानवीयता भी की।

सहकर्मी ने किया युवती का शारीरिक शोषण, मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अशोका गार्डन पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर सहकर्मी युवक के खिलाफ शारीरिक शोषण करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी ने शादी का झांसा देकर युवती से संबंध बनाए और बाद में शादी करने से इंकार कर दिया। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 27 वर्षीय युवती मूलतः दूसरे जिले की रहने वाली है। वह पढ़ाई के लिए भोपाल आयी थी। पढ़ाई समाप्त होने के बाद युवती ने एक निजी कंपनी में नौकरी कर ली। इस दौरान उसकी पहचान कंपनी में काम करने वाले यश जैसवाल से हुई। बाद में दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई।

पति-बच्चों को खत्म करने की धमकी देकर देवर कर रहा था दैहिक शोषण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र में देवर द्वारा सगी भाभी से दुष्कर्म और दैहिक शोषण का मामला सामने आया है। पुलिस ने भाभी की शिकायत पर आरोपी देवर के खिलाफ दुष्कर्म और दैहिक शोषण की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 25 साल की महिला इलाके में रहती हैं और गृहणी है। उसका पति टैंट हाउस में काम करता है। पीड़िता ने बताया कि उसके परिवार में पति बच्चे के अलावा देवर भी रहता है। गत 7 जुलाई को पति किसी काम से बाहर गया था। उस दौरान देवर ने उसे डरा धमकाकर शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद पति और बच्चे को जान से खत्म करने की धमकी देकर उसका दैहिक शोषण कर रहा था।

गत दिनों पति को देवर की हरकतों के बारे में संदेह हुआ और उसने पत्नी से पूछताछ की। इस दौरान पत्नी ने उसे बताया कि देवर उसके साथ गलत काम कर रहा था।

अज्ञात युवक ने नाबालिग से की अश्लील हरकत

गोविंदपुरा पुलिस ने एक नाबालिग लड़की की रिपोर्ट पर अज्ञात युवक के खिलाफ छेडछाड और पोक्सो एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 16 वर्षीय किशोरी रविवार सुबह करीब पांच बजे आईएसबीटी स्थित एक दुकान पर चाय पीने पहुंची थी। इस दौरान अज्ञात युवक ने उसके साथ अश्लील हरकत की। सोमवार की शाम को पीड़िता ने थाने जाकर इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि घटना के समय दुकान के आसपास काफी भीड़भाड़ थी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर आरोपी का पता लगा रही है।

युवक ने घर में फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। कोलार इलाके में रहने वाले एक युवक ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार संजू पुत्र नेतराम धाकड़ (26) मूलतः उदयपुरा जिला रायसेन का था। भोपाल में वह एक लॉड्री पर काम करता था और लाउंड्री मालिक के ही लक्ष्मी परिसर, राजवेद कालोनी स्थित फ्लैट में अकेला रहता था। दुकान से उसे जो भी वेतन मिलता था वह खुद पर ही खर्च कर देता था। सोमवार सुबह संजू काम पर नहीं पहुंचा तो लाउंड्री मालिक उसे देखने के लिए फ्लैट पर गए। यहां संजू फांसी के फंदे पर लटका मिला तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है।

कुंडी बाहर से बंद कर बीस क्विंटल सोयाबीन चुराकर ले गए बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित खजूरिया रामदास गांव में अज्ञात बदमाशों ने घर के आंगन में रखा बीस क्विंटल सोयाबीन चोरी कर लिया। घटना सोमवार-मंगलवार की रात की बताई जा रही है। आरोपियों ने आंगन में सोयाबीन चुराने से पहले मकान की कुंदी बाहर से लगा ली थी, ताकि परिजन बाहर न आ सके। जानकारी के अनुसार खजूरिया रामदास निवासी बबलू कुशवाह ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह कृषि मंडी से रिटायर्ड अधिकारी ज्ञान सिंह ठाकुर के खेत पर रहते हैं। खेत पर ही मकान बना हुआ है। बबलू ने बताया कि वह ज्ञान सिंह ठाकुर के खेत पर बटाईदार हैं। सोमवार रात वह खाना खाकर सो गए थे। सुबह नींद खुली तो मकान के दरवाजे की कुंदी बाहर से बंद थी। उन्होंने परिचित को बोलकर बाहर की कुंदी खुलवाई। बाहर आने पर पता चला कि आंगन में रखा बीस क्विंटल सोयाबीन नहीं है।

मेट्रो एंकर | **बैरागढ़ में विष्णु शर्मा रेस्टोरेंट के सामने मुख्य सड़क पर हुई वारदात**

बुजुर्ग महिला के गले से बाइक सवार लुटेरों ने चेन झपटी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में लूट की वारदात थमने का नाम नहीं ले रही है। लुटेरे कुछ समय के अंतराल में लूट की वारदात कर रहे है, ताकि पुलिस की ध्यान उनकी तरफ नहीं रहे। बदमाशा ने बैरागढ़ में मंगलवार शाम लूट की वारदात को अंजाम दिया। लुटेरे स्कूटर पर पीछे बैठी महिला के गले से सोने की चेन झपटकर ले गए। पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आशा वाधवानी पति पुरूषोत्तम दास वासवानी (60) श्रृष्टि अपार्टमेंट, बैंरागढ़ में रहती हैं।

उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि मंगलवार शाम अपनी छोटी बहन संगीता के साथ वह बैरागढ़ खरीदारी करने गई थी। वहां से संगीता के साथ विजय नगर लालघाटी लौट रही थी। संगीता एक्टिवा चला रही थी और आशा पीछे बैठी हुई थी। शाम करीब सवा 7 बजे के आसपास दोनों एक्टिवा से संत जी की कुटिया के पास शर्मा

विष्णु फास्टफूड के सामने पहुंची, तभी पीछे से आए बाइक सवार लुटेरों में पीछे बैठे लुटेरे ने आशा के गले से चेन झपट ली। आरोपी चेन तो लूटकर ले गए, लेकिन पेंडल वहीं नीचे गिर गया। आशा और संगीता ने तत्काल घटना की शिकायत पुलिस थाने पहुंचकर की। लूटी गई चेन की कीमत करीब 60 हजार रुपए बताई जा रही है।

आटो में बैठे चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित मिलन शादी हॉल के पास मंगलवार शाम आटो में बैठे चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह अत्यधिक नशा होने के कारण आटो में जाकर बैठ गया था। इसके बाद उसकी लाश पीछे वाली सीट पर पड़ी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस का अनुमान है उसकी मौत या तो अधिक शराब पीने से या फिर हार्ट अटैक से हुई?है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार का रही है। पुलिस के अनुसार नरेंद बाटला पिता लेखराज बाटला (47) कल्याण नगर छोला में रहता था और किराए पर आटो लेकर चलाता था। वह शराब पीने का आदी?था। आटो मालिक ने पुलिस को बताया कि कल दोपहर नरेंद्र शराब के नशे में घर पहुंचा और वहां से लौटकर मिलन शादी हॉल के पास ख?ा हो गया। शाम को वह नरेंद्र को देखने मिलन शादी हॉल के पास पहुंचे तो वह आटो में पीछे वाली सीट पर बेसुध नजर आया। उसे उठाने का प्रयास किया, लेकिन उसके शरीर में हलचल नहीं हुई। इसके बाद एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की टीम ने मौके पर पहुंचकर नरेंद्र को चेक किया तो उसकी मौत हो चुकी थी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022